लखनऊ

शुक्रवार, 19 जून, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 293

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

जैसे सूर्योदय होते ही अंधकार दूर हो जाता है वैसे ही मन की प्रसन्नता से सारी बाधाएं शांत हो जाती है।

TODAY WEATHER

DAY 41° Hi

NIGHT 29° Low

संक्षेप

सीएम योगी को खून से लिखा पत्र, अब कृष्ण जन्मभूमि के चढ़ावे पर सवाल!

लखनऊ। राम मंदिर के चढ़ावे में कथित घोटालों के बीच मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे की जांच की मांग की गई है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान-शाही ईदगाह मामले के पक्षकार दिनेश शर्मा फलाहारी ने गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए खून से पत्र लिखकर सीएम योगी से सीबीआई जांच की मांग की है। उनका आरोप है कि जिस तरह अयोध्या का मामला सामने आया है उसी तरह मथुरा श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर पिछले कई वर्षों से चढ़ावे का बंदर बांट किया जा रहा है। बता दें शाही ईदगाह प्रकरण के बाद सुर्खियों में आए फलाहारी कई बार खून से पत्र लिखकर सीएम योगी को भेज चुके हैं। सीएम योगी से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे हिंदुओं के गौरव माननीय मुख्यमंत्री योगी जी को अपने खून से पत्र लिखा है और मांग की है कि जिस प्रकार अयोध्या में चंदे की रकम आभूषणों का घोटाला हो रहा है उसी प्रकार मथुरा में भी हमारे कृष्ण कन्हैया के जन्म स्थान श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर में भी कई वर्षों से लगातार चंदे की चोरी हो रही है। जब गुल्लकों को खोला जाता है तो सीसीटीवी कैमरे बंद कर दिए जाते हैं। रुपए, आभूषण, सोना, चांदी, हीरे, जवारात सबका बंदर बांट कर लिया जाता है। जो प्रबंधन कमेटी वाले पहले स्कूटर पर आते थे, आज करोड़ों की गाड़ियों में चलते हैं। करोड़ों अरबों के उनके कोठी बंगला फार्म हाउस हैं। उत्तर प्रदेश में नहीं उत्तराखंड में भी इन्होंने जमीनें खरीदी हैं अपने नाम। तो, जिस प्रकार हमारे करोड़ों हिंदुओं की आस्था के साथ खिलवाड़ हो रहा है। यह बहुत ही दुखद है। हमारी माननीय मुख्यमंत्री जी से मांग है। इस पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच कराएं।

"ऑपरेशन टाइगर के जवाब में ऑपरेशन तुड़वा", संजय राउत का पलटवार, बताई यूबीटी की आगे की रणनीति

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कथित "ऑपरेशन टाइगर" पर पलटवार करते हुए कहा कि अब उनकी पार्टी "ऑपरेशन तुड़वा" यानी ऑपरेशन कुलचना-पीटना शुरू करेगी। संजय राउत ने सवाल उठाया कि संबंधित नेताओं की सुरक्षा इतनी क्यों बढ़ाई गई है। राउत ने ये भी कहा कि अगर हिम्मत है तो बिना सुरक्षा और बिना ईडी-सीबीआई के मैदान में उतरकर दिखाएं। बागियों को भारी-भरकम सुरक्षा दी गई है। अब सिर्फ भारतीय फौज को उतारना बाकी है। इनकी सुरक्षा को लेकर इतना डर क्यों लग रहा है। संजय राउत ने आरोप लगाया कि सांसदों को 25-25 करोड़ रुपये दिए गए हैं और उन्हें भारी सुरक्षा के बीच लीला होटल से जयपुर शिफ्ट किया गया है। उन्होंने कहा कि इतना डर आखिर किस बात का है। संजय राउत ने बीजेपी नेता Girish Mahajan के कथित बयान का हवाला देते हुए आगे कहा कि अगर ईडी-सीबीआई उनके हाथ में आ जाए तो वे आधे घंटे में गिरीश महाजन को भी "तोड़" सकते हैं। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने बताया कि पार्टी की बैठक में तीन लोकसभा सांसद उपस्थित रहे, जबकि अनुपस्थित सांसदों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जा रहा है। उन्हें सात दिनों के भीतर जवाब देना होगा। अगर ऐसा नहीं किया तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अमित शाह का दावा, पीएम मोदी सरकार के 12 साल विकास-विरासत का स्वर्णिम संगम!

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार के 12 साल विकास और विरासत के संगम के रहे हैं। X पर एक पोस्ट में शाह ने कहा कि मोदी सरकार के 12 साल विकास और विरासत के संगम का स्वर्णिम युग रहे हैं। इन 12 वर्षों में, एक ओर जहां श्री राम मंदिर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और उज्जैन महाकाल लोक का निर्माण हुआ, वहीं दूसरी ओर पीएम आवास, आयुष्मान भारत, अन्न भंडार, विश्व स्तरीय कनेक्टिविटी, इंफ्रास्ट्रक्चर और 'मेक इन इंडिया' जैसी योजनाओं और पहलों ने देश की विकास यात्रा को अभूतपूर्व गति दी है।

यह बयान ऐसे समय में आया है जब सरकार ₹विकास भी, विरासत भी₹ की थीम के तहत पिछले 12 वर्षों में की गई विभिन्न पहलों को उजागर कर रही है। सरकारी बयान के अनुसार, विरासत संरक्षण को व्यापक विकास लक्ष्यों के साथ जोड़ते हुए भारत की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, विकास और प्रचार-प्रसार पर ध्यान केंद्रित किया गया है। बयान में कहा गया है कि मुख्य पहलों में एक करोड़ रिकॉर्ड का डिजिटाइज़ेशन, 668 प्राचीन कलाकृतियों की वापसी, आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम के 11 म्यूज़ियम बनाना और 11 भारतीय भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देना शामिल है।

इसमें बताया गया है कि पिछले कुछ वर्षों में मशहूर जगहों को फिर से ठीक करने, मंदिरों और स्मारकों को संरक्षित करने, आने वाले लोगों के लिए सुविधाओं को बेहतर बनाने और हेरिटेज शहरों व तीर्थयात्रा सर्किट को विकसित करने के कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। बयान में यह भी कहा गया है कि भारत की सांस्कृतिक संपत्तियां - जिनमें स्मारक, प्राचीन वस्तुएं, पांडुलिपियां और ऐतिहासिक स्थल शामिल हैं - पीढ़ियों से चली आ रही एक साझा विरासत का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसमें आगे कहा गया है कि 2014 से सरकार ने इन संपत्तियों को संरक्षित और बढ़ावा देने के लिए कई उपाय किए हैं, साथ ही विरासत के विकास को आर्थिक विकास, पर्यटन, आजीविका और सांस्कृतिक कूटनीति से जोड़ा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने विरासत के संरक्षण को राष्ट्रीय विकास से जोड़ने की कोशिश की है। इसमें चोरी हुई 668 से ज़्यादा प्राचीन वस्तुओं की वापसी, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और श्री राम जन्मभूमि मंदिर जैसे आध्यात्मिक इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास, और भारतीय परंपराओं को वैश्विक पहचान दिलाने के प्रयासों पर ज़ोर दिया गया है।

संजय राउत के अपशब्दों का जवाब देना सही नहीं : किरेन रिजिजू ने टाल दिया सीधा टकराव

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पार्टी में चल रहे संकट के बीच शिवसेना (UBT) गुट के राज्यसभा सांसद संजय राउत की अपमानजनक टिप्पणियों पर कोई भी प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसी टिप्पणियों पर कोई प्रतिक्रिया देना उचित नहीं होगा। पत्रकारों से बात करते हुए रिजिजू ने कहा कि आप देख सकते हैं कि संसद में क्या होता है, मुझे अलग से कुछ कहने की ज़रूरत नहीं है। अगर हम संजय राउत की बातों का जवाब देते हैं, तो यह अच्छा नहीं लगेगा क्योंकि हर सांसद अपने चुनाव क्षेत्र के लिए अपने तरीके से सोचता और काम करता है।

उन्होंने कहा कि हर पार्टी के काम करने का अपना तरीका होता है। मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा कि किस शिवसेना सांसद को क्या करना चाहिए। हम संसद में लाए गए बिलों पर सभी सांसदों का सहयोग चाहते हैं... लेकिन अगर संजय राउत किसी को गाली देते हैं या किसी पर आरोप लगाते हैं, तो उन्हें जवाब देना सही नहीं होगा। इससे पहले गुरुवार को रिजिजू ने हज 2026 के लिए एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और घोषणा की कि भारत को इस तीर्थयात्रा के प्रबंधन के लिए दो पुरस्कार मिले हैं।

राहुल गांधी का छात्रों से आह्वान : 'स्टूडेंट्स इको' से जुड़कर शिक्षा-रोज़गार पर उठाएं आवाज़

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को छात्रों और नौकरी चाहने वालों से हाल ही में शुरू किए गए 'छात्रों की गूंज' अभियान से जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस पहल का मकसद शिक्षा, परीक्षाओं और रोज़गार से जुड़े उनके मुद्दों को सीधे सरकार तक पहुंचाना है। X पर एक पोस्ट में गांधी ने हिंदी में लिखा कि अगर आपने पेपर लीक, परीक्षा में धोखाधड़ी या बहुत ज़्यादा फ़ीस का दर्द सहा है। अगर इस सिस्टम ने आपके सपने तोड़ दिए हैं। अगर आपके परिवार ने आपकी पढ़ाई में अपनी ज़िंदगी भर की कमाई लगा दी है। तो सुनिए: 'स्टूडेंट्स इको' आपकी आवाज़ है। उन्होंने इस मुहिम को सिर्फ़ एक मुहिम से कहीं ज़्यादा बताया और इसे सरकार के सामने सस्ती शिक्षा, निष्पक्ष परीक्षाओं और सम्मानजनक रोज़गार से जुड़ी माँगें उठाने का एक मंच कहा। गांधी ने सुझाव देकर और इससे जुड़ी याचिका पर हस्ताक्षर करके इसमें शामिल होने की अपील की और ज़ोर देते हुए कहा कि आपका एक हस्ताक्षर इस लड़ाई को मज़बूत करेगा। जितने ज़्यादा नाम होंगे, आवाज़ उतनी ही बुलंद होगी।

नीट यूजी 2026 पेपर देने वाले छात्रों को बड़ी राहत, यूपी सरकार ने किया बड़ा ऐलान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ सरकार ने NEET-UP 2026 परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को परिवहन निगम की बसों के किराए में 50 प्रतिशत छूट का तोहफा दिया है। इससे दूरदराज क्षेत्रों से परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने वाले अभ्यर्थियों को बड़ी राहत मिलेगी। इस संबंध में उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) ने भी जरूरी निर्देश जारी कर दिए हैं, ताकि किसी भी अभ्यर्थियों को असुविधा का सामना ना करना पड़े।

यूपीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक प्रभु एन। सिंह ने बताया कि इस संबंध में सभी क्षेत्रीय एवं सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि बस परिचालक परिचालक प्रवेश पत्र का

प्रत्येक अभ्यर्थी से उसके प्रवेश पत्र की एक प्रति लेंगे और उसी के आधार पर 50 प्रतिशत रियायती दर पर टिकट जारी किया जाएगा।

अभ्यर्थियों को दिया जाएगा चाइल्ड टिकट

सत्यापन करने के बाद इलेक्ट्रॉनिक टिकट इश्यूइंग मशीन (ईटीआईएम) के माध्यम से अभ्यर्थियों को चाइल्ड टिकट जारी करेंगे। साथ ही यह भी सुनिश्चित करेंगे कि प्रवेशपत्र पर अंकित फोटो और परीक्षा तिथि सही हो और वह निर्धारित अवधि के भीतर ही यात्रा कर रहा हो।

अभ्यर्थी का पूरा विवरण भविष्य के लिए रखना होगा

प्रबंध निदेशक प्रभु एन। सिंह ने कहा कि परिचालक वेबिल के पिछले भाग में अभ्यर्थी का नाम, रोल नंबर, यात्रा मार्ग और टिकट की धनराशि सहित अन्य आवश्यक विवरण दर्ज करेंगे। इसके अतिरिक्त प्रवेश पत्र की एक छायाप्रति सुरक्षित रखी जाएगी ताकि भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर उसका उपयोग किया जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए हैं कि यदि किसी अपरिहार्य स्थिति में ईटीआईएम मशीन से 50 प्रतिशत रियायती टिकट जारी नहीं हो पाता है, तो डिपो प्रभारी अथवा केंद्र प्रभारी से फोन पर अनुमति प्राप्त कर मैनुअल टिकट जारी कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में परिचालक ब्लैंक टिकट बुक से रियायती टिकट निर्गत करेगा तथा मार्ग पत्र पर यात्रा से संबंधित सभी आवश्यक विवरण दर्ज करेगा।

20 व 21 जून को लागू रहेगी नई व्यवस्था

परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि नीट यूजी-2026 परीक्षा 21 जून 2026 को आयोजित की जाएगी। परीक्षा में प्रतिभाग करने वाले अभ्यर्थियों को 20 जून और 21 जून 2026 को परिवहन निगम की बसों में रियायती दर पर

उमर अब्दुल्ला ने विपक्षी सांसदों के पाला बदलने पर जताई चिंता

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के सांसद केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार का समर्थन नहीं करेंगे। हम आपको बता दें कि लोकसभा में नेशनल कॉन्फ्रेंस के दो और राज्यसभा में तीन सदस्य हैं। तृणमूल कांग्रेस के 22 और शिवसेना यूबीटी के छह सांसदों द्वारा केंद्र सरकार का समर्थन किए जाने की खबरों पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में अब्दुल्ला ने कहा कि वे ऐसा क्यों कर रहे हैं, इस पर वह कोई टिप्पणी नहीं कर सकते। उमर अब्दुल्ला ने बांदीपुरा में पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''इस सवाल का जवाब न तो मैं दे सकता हूं और न ही आप।'' अब्दुल्ला ने बांदीपुरा में पत्रकारों से बातचीत में कहा, "मैं कैसे कह सकता हूं कि द्रमुक या शिवसेना के सांसद क्या करेंगे? यह उन पर निर्भर करता है।

5 दिवसीय म .प्र दौरे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, बैतूल में जनजातीय महासम्मेलन को किया संबोधित

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इन दिनों मध्य प्रदेश दौरे पर हैं। ये दौरा 18 से 22 जून तक चलेगा, जिसके अंतर्गत वह बैतूल, ओंकारेश्वर, जबलपुर और कूनो जाएंगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वह 18 जून की सुबह दिल्ली से रवाना हुईं और अपने दौरे के अंतर्गत राष्ट्रपति मुर्मू पहले इंदौर पहुंचीं, जहां मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उनका स्वागत किया। इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट से राष्ट्रपति मुर्मू सीधे ओंकारेश्वर के लिए रवाना हो गईं, जहां उन्होंने ज्योतिर्लिंग भगवान ओंकारेश्वर के दर्शन किए और इसके बाद वह बैतूल के लिए रवाना हो गईं। बैतूल पहुंचने पर राज्यपाल मंगू पटेल, माननीय भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, बैतूल सांसद एवं केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उइके, प्रभारी मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल एवं पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन ने हेलीपेड पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का भव्य स्वागत किया। यहां उन्होंने 'आध्यात्मिक जागृति के जरिए आदिवासी समाज का सशक्तिकरण' विषय पर आयोजित एक सम्मेलन में हिस्सा लिया। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति मुर्मू ने आधुनिक सामाजिक-आर्थिक विकास को आदिवासी संस्कृति के साथ जोड़ने के महत्व पर बात की। बैतूल में आयोजित 'आध्यात्मिक जागृति के जरिए आदिवासी समाज का सशक्तिकरण' सम्मेलन में राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे वर्तमान समय की संघर्षों से भरी और भौतिकवादी दुनिया में, आदिवासियों की लाइफस्टाइल महत्वपूर्ण सीख देती है, जो प्रकृति और पर्यावरण के प्रति सम्मान से गहराई से जुड़ी है। इसी के साथ राष्ट्रपति मुर्मू ने बताया कि आदिवासियों की जीवन शैली कैसे वैश्विक शांति के लिए महत्वपूर्ण सीख देती है।

धर्मेंद्र प्रधान की हाई-लेवल मीटिंग, बोले- पारदर्शिता से समझौता नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार (18 जून, 2026) को शिक्षा मंत्रालय, राज्य सरकारों, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) और उच्च शिक्षा संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों और पदाधिकारियों के साथ एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक का उद्देश्य 21 जून को होने वाली NEET UG की दोबारा परीक्षा की तैयारियों का जायजा लेना था। स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार, उच्च शिक्षा विभाग के सचिव विनीत जोशी और NTA के महानिदेशक अभिषेक सिंह भी बैठक में शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते हुए, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने परीक्षा प्रक्रिया में ईमानदारी, पारदर्शिता और दक्षता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया और सभी संबंधित अधिकारियों को सतर्क और पूरी तरह से तैयार रहने का निर्देश दिया।

न्यायिक अधिकारी का केस नहीं सुन रहा कोई, 4 जज ने मामले से खुद को अलग किया, सीजेआई सूर्यकांत भड़के

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में एक ही केस से 4 जजों ने खुद को अलग कर लिया। इस पर सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत ने सख्त नाराजगी जताई और वकीलों को भी खूब फटकार लगाई। न्यायिक अधिकारी अमरीश कुमार जैन की 2022 में दाखिल याचिका पर पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के 4 जज रिक्यूज (अलग) हो चुके हैं, जिनमें तत्कालीन चीफ जस्टिस शील नागू भी शामिल हैं। यह मामला न्यायिक अधिकारी अमरीश कुमार जैन को नौकरी से हटाए जाने से जुड़ा है। जस्टिस लिसा गिल (2 सितंबर 2024), जस्टिस अश्वनी मिश्रा (25 मार्च 2025), जस्टिस दीपक सिबल (14 मई) और एक और जज इस मामले से खुद को अलग कर चुके हैं। इससे पहले आईएफएस अधिकारी संजीव चतुर्वेदी के मामले से भी 16 जज अलग हो चुके हैं। याचिकाकर्ता अमरीश कुमार ने आर्टिकल 142 के तहत केस को दिल्ली हाईकोर्ट ट्रांसफर करने की मांग की। सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश को सख्त निर्देश दिए। चीफ जस्टिस ने कहा कि पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट 2 जजों की डिवीजन बेंच गठित करें। यह बेंच 13 जुलाई से रोजाना सुनवाई शुरू करें और फैसला सुरक्षित होने तक सुनवाई जारी रखे। जज किसी भी स्थिति में खुद को मामले से अलग न करें। सीजेआई ने कहा कि कुछ 'तथाकथित वरिष्ठ वकील' हाईकोर्ट में हंगामा मचा रहे हैं। अगर कोई जजों को अलग होने के लिए मजबूर करेगा तो गंभीर परिणाम होंगे।

मॉनसून की सुस्त चाल ने महाराष्ट्र में बढ़ाया बारिश का इंतजार, 24 जून के बाद बदलेगा मौसम

मुंबई, एजेंसी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की तरफ से गुरुवार को जारी किए गए रिपोर्ट में बताया गया है कि बड़े पैमाने पर अनुकूल मौसमीय परिस्थितियों की कमी के कारण पिछले कुछ दिनों से महाराष्ट्र के बाकी हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून का आगे बढ़ना रुका हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मॉनसून 8 जून को दक्षिण कोंकण और दक्षिण मध्य महाराष्ट्र के आसपास के इलाकों में आगे बढ़ा था। हालांकि, इसके आगे बढ़ने में देरी हुई है।

मौसम विभाग ने कहा कि मौजूदा मॉनसून प्रवाह में अरब सागर से आने वाली तेज हवाओं (सर्ज) की कमी है, जो आमतौर पर नमी लाने और व्यापक बारिश के लिए जिम्मेदार होती हैं, जिससे मॉनसून को आगे बढ़ने में मदद मिलती है।

विभाग ने बताया कि मॉनसून के प्रवाह से जुड़ी निचले स्तर की दक्षिण-पश्चिमी हवाएं अरब सागर के ऊपर कमजोर पड़ गई हैं, जिसके परिणामस्वरूप महाराष्ट्र के तटवर्ती और अंदरूनी इलाकों की ओर नमी का प्रवाह कम हो गया है।

IMD ने यह भी कहा कि पश्चिमी हिंद महासागर और अरब सागर के ऊपर क्रॉस-इक्वेटोरियल प्रवाह (भूमध्य रेखा को पार करने वाली हवाएं) जो दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के लिए नमी का एक प्रमुख स्रोत है हाल के समय में कमजोर पड़ गया है, जिससे मॉनसून की गतिविधि में कमी आई है।

MJO भी नहीं दे रहा मॉनसून को समर्थन

इसके अलावा, विभाग ने बताया कि मॉनसून से जुड़ी महत्वपूर्ण मौसमीय प्रणालियां जैसे अरब सागर और बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव वाले क्षेत्र या चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन), तथा पश्चिमी तट के साथ पर्याप्त तीव्रता वाला ऑफशोर ट्रफ अभी मौजूद नहीं हैं। IMD के अनुसार, मैडेन-जूलियन ऑसिलेशन (MJO) सहित बड़े पैमाने पर हवाओं के मौजूदा परिसंचरण पैटर्न अभी महाराष्ट्र के बाकी हिस्सों में मॉनसून के आगे बढ़ने के लिए मजबूत समर्थन का संकेत नहीं दे रहे हैं।

मणिपुर में सेना की कार्रवाई, उग्रवादी संगठन के ठिकानों को किया ध्वस्त

नई दिल्ली, एजेंसी। मणिपुर में भारतीय सेना और असम राइफल्स ने संयुक्त अभियान चलाकर उग्रवादी संगठन के ठिकानों को ध्वस्त कर दिया है। इस कार्रवाई में एक उग्रवादी मारा गया, जबकि उसके कई साथी जंगलों का फायदा उठाकर फरार हो गए। सुरक्षा बलों ने 16 जून 2026 को चुराचांदपुर जिले के हेंगलेप उप-मंडल के दूरदराज इलाके में ऑपरेशन शुरू किया। खुफिया जानकारी मिली थी कि यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी (UKNA) के उग्रवादी इलाके में सक्रिय हैं।

कठिन पहाड़ी क्षेत्र और खराब मौसम के बावजूद सेना और असम राइफल्स की टीम ने संयुक्त रूप से अभियान चलाया। जब जवान उग्रवादियों के ठिकाने के करीब पहुंचे तो दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। मुठभेड़ में एक उग्रवादी ढेर हो गया, जबकि अन्य उग्रवादी मौके से भाग निकले। इसके बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके में तलाशी अभियान चलाया और उग्रवादियों द्वारा बनाए गए मजबूत बंकरों और ठिकानों को नष्ट कर दिया।

उग्रवादी नेटवर्क को लगा बड़ा झटका

अभियान के दौरान बड़ी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और युद्ध सामग्री भी बरामद की गई। सुरक्षा बलों ने कहा कि इस कार्रवाई से उग्रवादी नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है और क्षेत्र में शांति एवं सामान्य स्थिति बहाल करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी (UKNA) के सदस्यों की गतिविधियों के बारे में सटीक खुफिया जानकारी मिलने पर, यह ऑपरेशन मुश्किल इलाकों और खराब मौसम के बावजूद चलाया गया।

पगड़ी से मुंह दबाया, हाथ की नस काट रेता गला, पति से तलाक चाहती थी गुरप्रीत, मां के प्रेमी ने मासूम को मारा

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ में एरिया बैंक मैनेजर अर्पित पाराशर ने अपनी प्रेमिका के मासूम बेटे की हत्या कर दी है। उसने घड़ी दिलाने का झांसा देकर अंगदवीर को अगवा किया था। यह वारदात राज खुलने के डर से की गई। रविवार को अंगदवीर ने अर्पित को अपनी मां गुरप्रीत कौर के साथ घर में देख लिया था। आरोपी अर्पित को डर था कि मासूम यह बात अपनी दादी या पिता को बता देगा। इसी डर से उसने अंगदवीर को रास्ते से हटाने का फैसला किया।

कड़ाई से पूछताछ करने पर अर्पित टूट गया। उसने पुलिस को बताया कि उसने अंगदवीर को वैगनआर कार से अगवा किया था। वह उसे करीब 24 किलोमीटर दूर हस्तिनापुर ले गया। हस्तिनापुर के भद्रकाली मंदिर के पास वन क्षेत्र में उसने अंगदवीर की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को मौका-ए-वारदात पर ले जाकर दृश्य दोहराया।

हत्या का तरीका

आरोपी अर्पित ने कुबूल किया कि उसने अंगदवीर की चीख दबाने के लिए उसकी पगड़ी से ही मुंह बंद कर दिया था। इसके बाद उसने चाकू से अंगदवीर के हाथ की नस काटी। फिर बेरहमी से उसका गला रेतकर उसे मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने घटनास्थल से अंगदवीर का शव बरामद किया है। फॉरेंसिक टीम ने वहां से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं।

पति से तलाक चाहती थी गुरप्रीत कौर

अंगदवीर के बाबा दिलबाग सिंह ने बताया कि गुरुसेवक उनका भतीजा है, जो पिछले छह साल से सऊदी अरब में ट्रक चलाता है। वह छह महीने पहले ही रामराज आया था। गुरुसेवक की पत्नी गुरप्रीत कौर बड़ियां गांव (नजीबाबाद) की रहने वाली है। गुरप्रीत एक साल पहले अपनी मौसी के पास सिंगापुर चली गई थी और चार महीने पहले वहां से लौटने के बाद मायके चली गई।

मायके से आने के बाद वह परिजनों पर फैसले (तलाक) के लिए दबाव बनाने लगी। परिजनों ने उसे समझाया कि जब बेटा अंगदवीर उसके पास है तो फैसले की क्या बात है। गुरुसेवक की बुआ तेजिंदर कौर पटियाला में रहती हैं, जिन्होंने अंगदवीर का एडमिशन कक्षा एक में बहादुरगढ़ के एक स्कूल में करा दिया था।

15 दिन पहले गुरप्रीत पटियाला गई थी और वहां 10 दिन रुकने के बाद अंगदवीर को लेकर नजीबाबाद के लिए निकली थी लेकिन पांच दिन पहले वह रामराज में दादी बलजिंदर कौर के पास आ गई।

गुरप्रीत ने अंगदवीर को नहीं पिलाया दूध

दिलबाग सिंह ने बताया कि गुरप्रीत ने अपने इकलौते बेटे अंगदवीर को कभी अपना दूध तक नहीं पिलाया था। उसका पालन-पोषण उसकी छोटी बुआ नवनीत कौर ने ही किया था।

नवनीत कौर रामराज में रहकर पढ़ाई कर रही थी और वही बच्चे की देखभाल करती थी। दिलबाग सिंह ने रुंधे गले से बताया कि उनका पूरा परिवार पटियाला में शिफ्ट होने की योजना बना रहा था लेकिन उससे पहले ही यह वारदात हो गई। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

यह था पूरा मामला

मेरठ के बहसूमा से सनसनीखेज मामला सामने आया है। एचडीएफसी बैंक के एरिया मैनेजर अर्पित पाराशर ने प्रेम संबंध का राज खुलने के डर से प्रेमिका गुरप्रीत कौर के छह साल के बेटे अंगदवीर को अगवा करके चाकू से गला रेत कर हत्या कर दी। इसके बाद शव को झाड़ियों में फेंक दिया।

अर्पित की छह माह पहले हुई है शादी

आरोपी ने मासूम को बहसूमा थाना इलाके के रामराज स्थित उसके घर के बाहर से मंगलवार को अगवा करके कार में ले गया था। पुलिस ने बुधवार को मीरापुर निवासी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस प्रेमिका से पूछताछ कर वारदात में उसकी संलिप्तता की जांच कर रही है। अर्पित की शादी छह माह पहले हुई है। रामराज निवासी बलजिंदर कौर ने मंगलवार को बहसूमा थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके पौत्र अंगदवीर को अर्पित पाराशर घर के बाहर से कार में अगवा करके ले गया है।

अर्पित हापुड़ में एचडीएफसी बैंक में एरिया मैनेजर है। सीसीटीवी फुटेज में वह बच्चे को कार में ले जाता दिखाई दिया था। पूछताछ में पुलिस को बताया कि रविवार को वह गुरप्रीत से मिलने उसके घर गया था। इस बीच अंगदवीर ने दोनों को साथ देख लिया था। उसे डर था कि बच्चा उनका राज खोल देगा। इसी के चलते उसकी हत्या कर दी।

पहले नहर में फेंकने की बात बताई

पुलिस ने मंगलवार की देर रात आरोपी अर्पित को मीरापुर के भूमा रोड से हिरासत में ले लिया था। पूछताछ में वह करीब आठ घंटे तक पुलिस को गुमराह करता रहा। बताता रहा कि उसने अपहरण के बाद अंगदवीर को परीक्षितगढ़ थाना क्षेत्र के पुट्ठी गांव के सामने नहर में फेंक दिया है। बुधवार की सुबह आठ बजे से पुलिस और एसडीआरएफ की टीम नहर में तलाश करती रहीं। शाम को आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने अंगदवीर की हस्तिनापुर थाना क्षेत्र के भद्रकाली मंदिर के पास हत्या की थी। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को मौके पर ले जाकर शाम लगभग पांच बजे शव बरामद किया। इसके बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

ब्लैकमेलिंग व फिरौती मांगने के आरोपी की जमानत खारिज

सुल्तानपुर। महिला की अश्लील वीडियो के सहारे पति को ब्लैकमेल कर एक लाख रुपए की फिरौती मांगने समेत अन्य आरोपो से जुड़े मामले में एफटीसी प्रथम की अदालत में आरोपी मिथिलेश पाल उर्फ बब्लू की जमानत अर्जी पर बुधवार को बहस हुई। एफटीसी प्रथम कोर्ट के जज विजय कुमार गुप्ता की अदालत ने मामले में आरोपी को राहत नहीं देते हुए जमानत अर्जी खारिज कर दिया है।

अखण्डनगर थाने के एक गांव रहने वाले पीड़ता महिला ने गत दो जून को स्थानीय थाने में मुकदमा दर्ज कराया। पीड़ता के आरोप के मुताबिक अंबेडकर नगर जिले के सम्मनपुर थाने के हजपुरा पाल बस्ती के रहने वाले आरोपी मिथिलेश पाल ने उनकी अश्लील फोटो उनके पति के पास भेजकर ब्लैकमेल करते हुए फिरौती की मांग किया और नहीं देने पर वायरल कर देने की धमकी दिया।

22 सूत्रीय ज्ञापन को लेकर अपनी ही सरकार के विरोध में मजदूर संघ ने किया जोरदार प्रदर्शन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। गुरुवार को आरएसएस के सबसे बड़े सम्बध्द संघठन भारतीय मजदूर संघ ने प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जिलाधिकारी के माध्यम से संविदाकर्मियों/आउटसोर्स कर्मियों व कर्मचारियों के साथ होंने वाली आर्थिक, सामाजिक समस्याओं को लेकर 22 सूत्रीय मांगपत्र घरना प्रदर्शन के उपरांत सौंपा गया। संघ के अध्यक्ष दीपक मिश्रा व संयोजक राकेश शर्मा ने मीडिया को बताया कि बीजेपी की डबल इंजन सरकार ने प्रदेश में कई बार घोषित करने के बाद भी न तो गरीब आंगनबाड़ियों, आशाओ व ठेकाकर्मियों, आउटसोर्स कर्मियों को न तो श्रम नियमो के तहत न्यूनतम वेतन दिया न ही किसी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा ही बीते 9 वर्षों में दी गई। संगठन ने कर्मचारियों, श्रमिकों और विभिन्न वर्गों से जुड़ी समस्याओं के समाधान की मांग उठाई। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और कर्मचारियों की उपेक्षा से मजदूर वर्ग लगातार प्रभावित हो रहा है। इसी को लेकर जिला स्तर पर सरकार तक अपनी मांगें पहुंचाई गई हैं। ज्ञापन में संविदा कर्मचारियों को नियमित करने, उनका मानदेय बढ़ाने तथा पुरानी पेंशन योजना को दोबारा लागू करने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। इसके साथ ही आठवें वेतन आयोग की सिफारिशें 1 जनवरी 2026 से लागू करते हुए न्यूनतम वेतनमान 72 हजार रुपये निर्धारित करने की मांग की गई। भारतीय मजदूर संघ ने बीएसएनएल कर्मचारियों के लिए वर्ष 2017 से लंबित सातवें वेतनमान को शीघ्र लागू करने की मांग भी रखी।

तहसील मुख्यालय के मुख्य मार्ग पर बेशकीमती सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। तहसील मुख्यालय बल्दीराय स्थित स्थानीय कस्बे में मुसाफिरखाना-देवरा मार्ग के थाना मोड़ पर बेशकीमती सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे का मामला प्रकाश में आया है। आरोप है कि ग्राम पंचायत पटैला की सरकारी भूमि पर एक प्रभावशाली व्यक्ति द्वारा वर्षों से कब्जा कर निर्माण कर लिया गया है, जबकि राजस्व विभाग इस मामले में कार्रवाई करने के बजाय मौन बना हुआ है। अवैध कब्जा हटवाने में तहसील बल्दीराय के जिम्मेदार अधिकारी की भूमिका संदिग्ध है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील मुख्यालय बल्दीराय में ग्राम पंचायत पटैला की गाटा संख्या 263 (नवीन परती) (क) तथा गाटा संख्या 264 (कृषि योग्य बंजर) भूमि पर एक रसूखदार व्यक्ति द्वारा आवासीय निर्माण कर अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है। यह भूमि

तहसील मुख्यालय के प्रमुख मार्ग पर स्थित होने के कारण काफी मूल्यवान मानी जाती है। क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता अमरजीत सिंह ने मुख्यमंत्री मुख्य राजस्व अधिकारी सुल्तानपुर मंडला आयुक्त अयोध्या अध्यक्ष राजस्व परिषद उप जिलाधिकारी बल्दीराय सहित कई उच्च अधिकारियों को भेजी शिकायत में मामले की जांच कराकर सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है। उनका कहना है कि सरकारी अभिलेखों में दर्ज भूमि पर निजी कब्जा राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि तहसील मुख्यालय पर स्थित इस भूमि पर लंबे समय से कब्जा होने के बावजूद राजस्व विभाग और स्थानीय प्रशासन द्वारा कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने राजस्व विभाग की भूमिका को संदिग्ध बताते हुए कहा कि यदि जल्द ही सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त नहीं कराया गया तो वह मामले को उच्च न्यायालय में उठाने के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी पूरे प्रकरण से अवगत कराएंगे। फिलहाल मामले में प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। शिकायत के बाद स्थानीय लोगों की नजरें प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

दस्तावेज लेखको ने राज्यपाल को दिया ज्ञापन

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुलतानपुर। उपनिबंधक कार्यालय बल्दीराय में लागू की जा रही ई-पंजीकरण व्यवस्था के विरोध में दस्तावेज लेखकों ने गुरुवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी। हड़ताल के चलते रजिस्ट्री संबंधी कार्य प्रभावित रहे, जिससे कार्यालय पहुंचे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

दस्तावेज लेखकों का कहना है कि नई ई-पंजीकरण व्यवस्था में कई तकनीकी एवं व्यावहारिक कमियां हैं। उनका आरोप है कि वर्तमान स्वरूप में व्यवस्था लागू होने से उनके कार्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा तथा आम नागरिकों को भी अनावश्यक कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। हड़ताल के दौरान दस्तावेज लेखक उपनिबंधक कार्यालय परिसर में एकत्र होकर अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन करते रहे। उन्होंने कहा कि जब तक उनकी मांगों का समाधान

नहीं किया जाता और ई-पंजीकरण व्यवस्था को सरल एवं व्यावहारिक नहीं बनाया जाता, तब तक उनकी अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगी। इस संबंध में दस्तावेज लेखको ने राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन सब रजिस्टार बीना झा को दिया। अनिश्चितकालीन हड़ताल के कारण रजिस्ट्री कराने आए लोगों को वापस लौटना पड़ा, जिससे उन्हें समय और धन दोनों की हानि उठानी पड़ी। लोगों ने प्रशासन से जल्द समाधान निकालकर रजिस्ट्री कार्य सुचारु रूप से संचालित कराने की मांग की है। इस दौरान विपिन मिश्रा, प्रदीप यादव, दिलीप सिंह, जेपी श्रीवास्तव, दीपक श्रीवास्तव, राम अंजोर यादव, अमरनाथ यादव, नंदकुमार यादव, अरविंद श्रीवास्तव, करुणेश सिंह, निखिल श्रीवास्तव, आदर्श अंकुर, हसनैन, नीरज, दीपक यादव, अरविंद पांडेय, सुनील यादव, कुलदीप सहित बड़ी संख्या में दस्तावेज लेखक मौजूद रहे।

नेता का समधी निकला मैरिज स्कैमर... 25 महिलाओं से रचाई शादी, फिर ऐसे की करोड़ों की ठगी, हुआ अरेस्ट

आर्यावर्त संवाददाता

सीतापुर। सीतापुर के मिश्रिख क्षेत्र से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है। वैवाहिक विज्ञापनों के जरिए महिलाओं को अपने जाल में फंसाकर शादी करने और फिर करोड़ों रुपये की ठगी करने के आरोपी अनुज त्रिवेदी का संबंध अब एक बड़े राजनीतिक परिवार से जुड़ने की चर्चा के कारण भी सुर्खियों में है। आरोपी को महाराष्ट्र पुलिस ने ग्रेटर नोएडा से गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि मिश्रिख क्षेत्र के चंद्रावल गांव निवासी अनुज त्रिवेदी वर्षों से अलग-अलग नामों और फर्जी पहचान के सहारे महिलाओं को निशाना बना रहा था।

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में दर्ज एक मामले की जांच के दौरान खुलासा हुआ कि आरोपी ने वैवाहिक विज्ञापनों के माध्यम से संपर्क कर कम से कम 25 महिलाओं को अपना

शिकार बनाया। इनमें दिव्यांग, तलाकशुदा, मानसिक रूप से कमजोर और असहाय महिलाएं भी शामिल हैं।

मामले की शुरुआत वर्ष 2022 में हुई, जब ठाणे की एक 75 वर्षीय महिला ने शिकायत दर्ज कराई। आरोप है कि अनुज ने उनकी 45 वर्षीय बेटी से वैवाहिक विज्ञापन के जरिए संपर्क किया और वर्ष 2019 में शादी कर ली। शादी के बाद उसने परिवार को फ्लैट बेचने के लिए राजी किया और नया मकान बनवाने का सपना दिखाकर 82 लाख रुपये हड़प लिए। शिकायत के अनुसार, फरवरी 2022 में आरोपी महिला को दिल्ली लेकर गया और रिश्तेदार की शादी में शामिल होने का बहाना बनाकर 33 तोला सोना लेकर फरार हो गया। इस तरह पीड़िता से कुल 97 लाख रुपये की ठगी की गई।

बदलता रहा नाम और पहचान

महाराष्ट्र पुलिस के अनुसार, अनुज त्रिवेदी ने अजय अग्रवाल, संतोष सिंह, जयप्रकाश, रमेश चंद्र गुप्ता समेत कई फर्जी नामों का इस्तेमाल किया। गिरफ्तारी के समय वह ग्रेटर नोएडा में चंद्रप्रकाश त्रिवेदी नाम से रह रहा था। उसके कब्जे से फर्जी आधार कार्ड, तीन मोबाइल फोन और एक एटीएम कार्ड बरामद किए गए हैं।

बेटे की भूमिका भी जांच के दायरे में

पुलिस को शक है कि आरोपी का बेटा भी इस पूरे नेटवर्क में शामिल हो सकता है। जांच एजेंसियां आर्थिक लेन-देन, संपत्तियों और पारिवारिक संबंधों की भी पड़ताल कर रही हैं।

सिक्योरिटी गार्ड से करोड़पति बनने तक का सफर

ग्रामीणों के मुताबिक, करीब 27 साल पहले अनुज लखनऊ में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था। बाद में उसने सिक्योरिटी एजेंसी और प्रॉपर्टी का कारोबार शुरू किया। कुछ ही वर्षों में उसने करोड़ों की संपत्ति खड़ी कर ली। लखनऊ में आलीशान कोठी, नैमिषारण्य में मकान और गांव में स्कूल तक स्थापित किया। उसके बेटे की शादी में कई बड़े नेता और मंत्री भी शामिल हुए थे। अब महाराष्ट्र पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आखिर ठगी से अर्जित धन कहां-कहां लगाया गया और इस पूरे नेटवर्क में कितने लोग शामिल हैं। मामले ने राजनीतिक गलियारों के साथ-साथ सामाजिक स्तर पर भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

होमुर्ज से आई अच्छी खबर... मुरादाबाद के पीतल उद्योग में लौटी रौनक, अब निर्यात होंगे 250 करोड़ रुपये के रूके माल

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। पश्चिम एशिया में पिछले तीन महीनों से जारी तनाव और युद्ध के बाद अब मुरादाबाद के हस्तशिल्प उद्योग के लिए राहत भरी खबर आई है। अमेरिका और ईरान के बीच हालिया कूटनीतिक समझौते के बाद रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य व्यापार के लिए दोबारा खोल जाएगा। इसके साथ ही पीतलनगरी मुरादाबाद के हस्तशिल्प निर्यातकों के चेहरे पर फिर मुस्कान लौट आई है।

जलमार्ग बंद होने के कारण मुरादाबाद की विभिन्न फैक्ट्रियों में करीब 250 करोड़ रुपये का तैयार हस्तशिल्प माल पिछले तीन महीनों से अटका हुआ था। अब मार्ग खुलते ही खाड़ी देशों में इस माल की शिपमेंट की प्रक्रिया तेज हो गई है। विदेशी खरीदारों और आयातकों ने भी ई-मेल

के जरिए निर्यातकों से दोबारा संपर्क करना शुरू कर दिया है, जिससे लंबे समय से रुके ऑर्डर फिर से कन्फर्म होने लगे हैं।

मुरादाबाद हैंडीक्राफ्ट्स एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के अनुसार, मुरादाबाद से हर साल संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कतर और ओमान समेत खाड़ी देशों को करीब 2600 करोड़ रुपये के हस्तशिल्प उत्पादों का निर्यात किया जाता है। इस कारोबार से जिले के लगभग 150 बड़े निर्यातक सीधे तौर पर जुड़े हुए हैं। मार्च, अप्रैल और मई के दौरान समुद्री मार्ग प्रभावित होने से कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ था और बड़ी मात्रा में लागत फंस गई थी।

क्या कहते हैं कारोबारी?

निर्यातकों का कहना है कि अब जलमार्ग बहाल होने से फंसी हुई कार्यशील पूंजी दोबारा बाजार में आएगी और स्थानीय फैक्ट्रियों में उत्पादन गतिविधियां भी तेज होंगी। इससे हजारों दस्तकारों, कारीगरों और श्रमिकों को भी सीधा लाभ मिलेगा।

हस्तशिल्प निर्यातक सलमान अतीक ने बताया कि खाड़ी देशों के खरीदारों के साथ व्यापारिक बातचीत फिर शुरू हो गई है और होल्ड पर पड़े ऑर्डर अब धरातल पर उतर रहे हैं। इससे न केवल निर्यात बढ़ेगा बल्कि घरेलू बाजार में भी नकदी प्रवाह बेहतर होने से कारोबार को मजबूती मिलेगी।

कन्फर्म हो रहे ऑर्डर

निर्यातक सतपाल ने कहा कि जलमार्ग खुलने की सूचना मिलते ही रुके हुए माल की शिपमेंट शुरू कर दी गई है। फरवरी के कई लंबित ऑर्डर अब कन्फर्म हो चुके हैं, जिससे उद्योग को बड़ी राहत मिलेगी। वहीं निर्यातक गुलवेज मलाम के अनुसार विदेशी ग्राहकों की मांग के अनुरूप तैयार माल की पैकिंग प्रक्रिया तेजी से चल रही है और जल्द ही कंटेनरों के जरिए माल खाड़ी देशों के लिए रवाना किया जाएगा। मुरादाबाद में पीतल का कोरोबार बड़े स्तर पर होता है।

सरकार से राहत देने की मांग

इस बीच वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। क्रूड ऑयल के दाम 115 डॉलर प्रति बैरल से घटकर करीब 70 डॉलर प्रति बैरल पर आ गए हैं। ऐसे में स्थानीय निर्यातकों ने सरकार और सप्लायर्स से हस्तशिल्प उद्योग में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल, पैकेजिंग कॉटन और बटर पेपर की कीमतों में भी राहत देने की मांग की है। तीन महीने के ठहराव के बाद होर्मुज जलमार्ग का खुलना मुरादाबाद के हस्तशिल्प उद्योग के लिए नई उम्मीद लेकर आया है। कारोबारियों को उम्मीद है कि आने वाले महीनों में निर्यात और उत्पादन दोनों में तेजी देखने को मिलेगी।

22 सूत्रीय ज्ञापन को लेकर अपनी ही सरकार के विरोध में मजदूर संघ ने किया जोरदार प्रदर्शन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। गुरुवार को आरएसएस के सबसे बड़े सम्बध्द संघठन भारतीय मजदूर संघ ने प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जिलाधिकारी के माध्यम से संविदाकर्मियों/आउटसोर्स कर्मियों व कर्मचारियों के साथ होंने वाली आर्थिक, सामाजिक समस्याओं को लेकर 22 सूत्रीय मांगपत्र घरना प्रदर्शन के उपरांत सौंपा गया। संघ के अध्यक्ष दीपक मिश्रा व संयोजक राकेश शर्मा ने मीडिया को बताया कि बीजेपी की डबल इंजन सरकार ने प्रदेश में कई बार घोषित करने के बाद भी न तो गरीब आंगनबाड़ियों, आशाओ व ठेकाकर्मियों, आउटसोर्स कर्मियों को न तो श्रम नियमो के तहत न्यूनतम वेतन दिया न ही किसी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा ही बीते 9 वर्षों में दी गई। संगठन ने कर्मचारियों, श्रमिकों और विभिन्न वर्गों से जुड़ी समस्याओं के समाधान की मांग उठाई। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और कर्मचारियों की उपेक्षा से मजदूर वर्ग लगातार प्रभावित हो रहा है। इसी को लेकर जिला स्तर पर सरकार तक अपनी मांगें पहुंचाई गई हैं। ज्ञापन में संविदा कर्मचारियों को नियमित करने, उनका मानदेय बढ़ाने तथा पुरानी पेंशन योजना को दोबारा लागू करने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। इसके साथ ही आठवें वेतन आयोग की सिफारिशें 1 जनवरी 2026 से लागू करते हुए न्यूनतम वेतनमान 72 हजार रुपये निर्धारित करने की मांग की गई। भारतीय मजदूर संघ ने बीएसएनएल कर्मचारियों के लिए वर्ष 2017 से लंबित सातवें वेतनमान को शीघ्र लागू करने की मांग भी रखी।

उन्नाव में गरजे मुख्यमंत्री योगी: सपा-कांग्रेस पर साधा निशाना, 570 करोड़ की 101 परियोजनाओं की दी सौगात

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को उन्नाव जनपद को 570 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 101 विकास परियोजनाओं की सौगात देते हुए विपक्षी दलों कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। ग्राम पंचायत डीह स्थित भवानी खेड़ा चौराहे पर आयोजित विशाल जनसभा में मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में केंद्र और 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश में डबल इंजन सरकार ने जितना विकास किया है, उतना कांग्रेस और सपा की सरकारें कभी नहीं कर सकीं। उन्होंने कहा कि इन दलों की राजनीति परिवारवाद और भ्रष्टाचार पर आधारित रही, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 140 करोड़ देशवासियों को अपना परिवार माना है और राज्य सरकार 25 करोड़ प्रदेशवासियों की समृद्धि को अपना लक्ष्य मानकर कार्य कर रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी के शासनकाल में प्रदेश में माफियाराज, गुंडाराज और अराजकता का माहौल था। व्यापारियों का अपहरण, रंगदारी और भय का वातावरण आम बात थी। उन्होंने रामायण का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस प्रकार खर-दूषण, मारीच और सुबाहु आतंक का प्रतीक थे, उसी प्रकार सपा शासन में सत्तापोषित माफिया जनता के लिए संकट बने हुए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल गरीबों की पीड़ा पर कभी संवेदनशील नहीं रहे, बल्कि माफियाओं के प्रति सहानुभूति दिखाते रहे हैं।मुख्यमंत्री ने उन्नाव को अध्यात्म, साहित्य और क्रांति की पावन भूमि बताते हुए राजा रामबख्श सिंह और अमर शहीद वीर गुलाब सिंह लोधी के बलिदान को नमन किया। उन्होंने कहा कि इन महान विभूतियों ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर ब्रिटिश शासन की जड़ों को हिला दिया था। उन्होंने पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ह्रदय नारायण दीक्षित के योगदान को भी स्मरण किया।उन्नाव के विकास का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय यह जनपद लखनऊ और कानपुर के बीच उपेक्षा का शिकार महसूस करता था, लेकिन आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। चारों दिशाओं में फोरलेन संपर्क मार्ग, गंगा एक्सप्रेसवे, ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे और गंगा नदी पर अतिरिक्त पुल जैसी परियोजनाओं ने उन्नाव को नई पहचान दी है। उन्होंने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे के माध्यम से उन्नाव सीधे दिल्ली और प्रयागराज से जुड़ रहा है। साथ ही डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर और औद्योगिक क्लस्टर के लिए लगभग 900 एकड़ भूमि तैयार की जा चुकी है, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया ऊर्जा संकट, आर्थिक मंदी और अंतरराष्ट्रीय तनावों से जूझ रही है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने इन चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है। उन्होंने कहा कि भारत का सुशासन और संकट प्रबंधन आज विश्व के लिए प्रेरणा का विषय बन चुका है। देश की सुरक्षा, आस्था और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का कार्य निरंतर जारी है तथा आतंकवाद, उग्रवाद और नक्सलवाद को उसी की भाषा में जवाब दिया जा रहा है।प्रधानमंत्री की विकास नीति का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार गरीब, किसान, महिला और युवा को केंद्र में रखकर योजनाएं चला रही है। मिशन शक्ति के माध्यम से महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित की जा रही है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजनाओं के तहत पात्र लोगों को बिना किसी सिफारिश और भ्रष्टाचार के आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं। राशन, उज्ज्वला गैस, पेंशन और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र लाभार्थियों तक पहुंच रहा है।मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों पर दोहरे चरित्र का आरोप लगाते हुए कहा कि जिन लोगों ने प्रदेश को दंगा, कर्फ्यू और माफियाराज की पहचान दी, वे आज विकास और सुशासन की बातें कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का युवा, किसान और महिला शक्ति अब ऐसे दलों को स्वीकार करने वाली नहीं है। युवाओं के रोजगार और सम्मान से खिलवाड़ करने वालों को जनता लगातार लोकतांत्रिक तरीके से जवाब दे रही है।किसानों के हितों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले किसानों को फसलों का उचित मूल्य, समय पर भुगतान, पर्याप्त बिजली और उर्वरक नहीं मिलते थे। आज सरकार किसान हितैषी नीतियों के माध्यम से उनकी आय बढ़ाने और खेती को लाभकारी बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की महिला शक्ति भी अब अपने सम्मान और सुरक्षा के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं करेगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश पर प्रभु श्रीराम, बाबा विश्वनाथ, बांके बिहारी और मां गंगा का आशीर्वाद है। प्रदेश में कानून व्यवस्था मजबूत हुई है और अब त्योहार भय नहीं बल्कि खुशहाली का प्रतीक बन चुके हैं। गरीब परिवार भी सम्मान के साथ त्योहार मनाने में सक्षम हुए हैं।उन्होंने घोषणा की कि उन्नाव को स्टेट कैपिटल रीजन (एससीआर) का हिस्सा बनाया गया है। लखनऊ, उन्नाव और कानपुर के बीच रैपिड रेल परियोजना का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। साथ ही क्षेत्रीय रिंग रोड नेटवर्क विकसित कर लखनऊ, उन्नाव, हरदोई, सीतापुर, बाराबंकी और रायबरेली को एक-दूसरे से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि विश्वस्तरीय आधारभूत ढांचे और औद्योगिक विकास के माध्यम से उन्नाव को विकसित जनपद के रूप में स्थापित किया जाएगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के सबसे बड़े गंगा एक्सप्रेसवे की गुणवत्ता वैश्विक मानकों के अनुरूप है और इसके उद्घाटन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उन्नाव और हरदोई के मध्य आमंत्रित किया गया है। उन्होंने दावा किया कि एक्सप्रेसवे और एयरपोर्ट कनेक्टिविटी के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश आज देश में अग्रणी राज्य बन चुका है।कार्यक्रम में सांसद साक्षी महाराज, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी, विधायक पंकज गुप्ता, अनिल सिंह, आशुतोष शुक्ल, बंबालाल दिवाकर, श्रीकांत कटियार, ब्रजेश रावत, विधान परिषद सदस्य रामचंद्र प्रधान, जिला पंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह तथा भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी सहित अनेक जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

योगी सरकार का श्रद्धालुओं को बड़ा उपहार, अब हर सप्ताहांत होगी अयोध्या, चित्रकूट, नैमिषारण्य और विंध्याचल धाम की आसान यात्रा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने धार्मिक पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) ने 'विजिट माय स्टेट' अभियान के अंतर्गत संचालित पांच लोकप्रिय धार्मिक वीकेंड टूर पैकेजों को नियमित सेवा के रूप में शुरू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत अब श्रद्धालु प्रत्येक शुक्रवार, शनिवार और रविवार को अपनी पसंद के प्रमुख धार्मिक स्थलों की यात्रा कर सकेंगे।राज्य सरकार की इस पहल से प्रदेश के लाखों श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी। अब लखनऊ से अयोध्या और नैमिषारण्य तथा प्रयागराज से अयोध्या, चित्रकूट और विंध्याचल धाम के लिए नियमित धार्मिक यात्राएं संचालित की जाएंगी। पर्यटन विभाग का मानना है कि इन सेवाओं से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और प्रदेश की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को नई पहचान मिलेगी।यूपीएसटीडीसी द्वारा संचालित 'सुगम दर्शन' योजना के तहत यात्रियों को कम खर्च में सुरक्षित, सुविधाजनक और व्यवस्थित यात्रा का अवसर मिलेगा। इन टूर पैकेजों की शुरुआत इसी सप्ताहांत से हो रही है। श्रद्धालु अब बिना किसी परेशानी के सप्ताहांत में धार्मिक स्थलों के दर्शन कर सकेंगे और उसी दिन या निर्धारित समय में अपनी यात्रा पूरी कर सकेंगे।प्रदेश सरकार ने बुकिंग प्रक्रिया को भी पहले की अपेक्षा अधिक सरल और सुगम बनाया है। श्रद्धालु अपनी सुविधा के अनुसार ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से बुकिंग करा सकते हैं। ऑनलाइन बुकिंग के लिए पर्यटन निगम की आधिकारिक वेबसाइट उपलब्ध कराई गई है, जहां से यात्री आसानी से सीट आरक्षित कर सकते हैं।

आठ दिन से लापता युवक का बाग में पेड़ से लटका मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

लखनऊ। गोसाईंगंज थाना क्षेत्र में आठ दिन से लापता एक युवक का शव बाग में पेड़ से लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य संकलित किए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले के सभी पहलुओं की गहन जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार गोसाईंगंज थाना क्षेत्र के घुसकर गांव निवासी सुनील कुमार ने 9 जून 2026 को अपने छोटे भाई अभिषेक कुमार (20 वर्ष) के घर से बिना बताए कहीं चले जाने की सूचना देते हुए गुमशुदगी दर्ज कराई थी। परिजनों के अनुसार अभिषेक 8 जून से लापता था, जिसके बाद उसकी तलाश की जा रही थी। गुरुवार सुबह गोसाईंगंज थाना क्षेत्र के सीफतनगर गांव स्थित एक बाग में एक युवक का शव पेड़ से लटका होने की सूचना पुलिस को मिली।

नीट अभ्यर्थियों के लिए यूपी रोडवेज का विशेष इंतजाम, 14 हजार से अधिक बसें चलेंगी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी 2026) में शामिल होने वाले लाखों अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने व्यापक और विशेष व्यवस्थाएं की हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर परिवहन निगम ने परीक्षा केंद्रों तक अभ्यर्थियों के सुरक्षित, सुगम और समयबद्ध आवागमन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए 14,250 से अधिक बसों का विशाल बेड़ा सेवा में लगाने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को बस किराये में 50 प्रतिशत की विशेष छूट भी प्रदान की जाएगी।नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा 21 जून 2026 को आयोजित होने वाली नीट (यूजी) परीक्षा में प्रदेशभर से लगभग चार लाख अभ्यर्थियों के शामिल होने का अनुमान है। बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों को अपने गृह जनपद से दूसरे शहरों में स्थित परीक्षा केंद्रों तक पहुंचना होगा। इसे देखते हुए परिवहन निगम ने राज्यव्यापी विशेष परिवहन योजना तैयार की है, ताकि किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में कोई परेशानी न हो।परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। परिवहन निगम के अनुसार अंतर्जनपदीय आवागमन के लिए लगभग 1,500 बसें विशेष रूप से नियोजित की गई हैं, जबकि शेष बसों का संचालन प्रदेश के सभी प्रमुख मार्गों पर सामान्य रूप से जारी रहेगा। इससे यात्रियों और अभ्यर्थियों दोनों को पर्याप्त परिवहन सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। अभ्यर्थियों को विशेष राहत देते हुए निगम ने 20 जून और 21 जून 2026 को सभी श्रेणी की रोडवेज बसों में किराये पर 50 प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया है।

यूपी एटीएस की बड़ी कार्रवाई : पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी नेटवर्क से जुड़े दो आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने देश विरोधी गतिविधियों और आतंकी नेटवर्क से जुड़े एक बड़े षड्यंत्र का पर्दाफाश करते हुए बुलंदशहर से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एटीएस के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर सक्रिय पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी और आबिद जट्ट के नेटवर्क से जुड़े हुए थे तथा देश में भय और अस्थिरता का माहौल बनाने की साजिश रच रहे थे।एटीएस द्वारा जारी जानकारी के अनुसार लंबे समय से ऐसी सूचनाएं मिल रही थीं कि पाकिस्तान स्थित गैंगस्टर शहजाद भट्टी, आबिद जट्ट तथा उनके सहयोगी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से भारत में स्लीपर सेल तैयार करने का प्रयास कर रहे हैं। युवाओं को आर्थिक लाभ का लालच देकर उन्हें देश विरोधी गतिविधियों में शामिल करने और सामाजिक सौहार्द, राष्ट्रीय एकता, अखंडता तथा सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने की योजना बनाई जा रही थी।इसी क्रम में एटीएस ने 17 जून 2026 को बुलंदशहर जनपद के अकबरपुर क्षेत्र से फैजान पुत्र सलीमुद्दीन और मोहम्मद उमर पुत्र जुल्फिकार को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम के माध्यम से पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी, आबिद जट्ट, हम्माद बरकाती और राणा हुनैन के संपर्क में थे और उनके निर्देशों पर कार्य कर रहे थे।पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्हें पाकिस्तानी डॉन आबिद जट्ट के पोस्टर विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर लगाने और उसका वीडियो बनाकर भेजने का कार्य सौंपा गया था। इसके बदले उन्हें 12 हजार रुपये दिए जाने थे। एटीएस के अनुसार आरोपियों ने बुलंदशहर के कई स्थानों पर आबिद जट्ट के पोस्टर लगाए और उनकी वीडियो रिकॉर्डिंग भी तैयार कर विदेशी हैंडलरों को भेजी।जांच एजेंसियों को आरोपियों के पास से आबिद जट्ट के 55 पोस्टर, पोस्टर चस्पा करते समय बनाए गए वीडियो तथा अन्य महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य भी प्राप्त हुए हैं। बरामद सामग्री को जांच में शामिल कर तकनीकी विश्लेषण कराया जा रहा है।एटीएस के अनुसार आरोपियों को केवल पोस्टर लगाने तक सीमित नहीं रखा गया था, बल्कि उन्हें संवेदनशील सैन्य प्रतिष्ठानों की रेकी का भी कार्य सौंपा गया था। पूछताछ में यह तथ्य सामने आया कि उन्हें लखनऊ स्थित आर्मी कैंट तथा प्रयागराज के बमरौली स्थित एयरफोर्स स्टेशन की रेकी करने का टास्क दिया गया था। इस कार्य के बदले उन्हें 10 हजार रुपये देने का आश्वासन भी दिया गया था। जांच एजेंसियां इस पहलू को अत्यंत गंभीरता से लेकर पड़ताल कर रही हैं।

राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी अनुष्का पाल हत्याकांड : अखिलेश यादव ने परिजनों को दी सांत्वना

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने गुरुवार को पार्टी के राज्य मुख्यालय में राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी और कई पदकों की विजेता 17 वर्षीय अनुष्का पाल के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। हाल ही में मेरठ जनपद के सरधना क्षेत्र की रहने वाली अनुष्का पाल की अपहरण के बाद हत्या कर दी गई थी, जिससे पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है।

अखिलेश यादव से मिलने के लिए अनुष्का पाल के पिता नेमपाल पाल अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ सरधना के विधायक अतुल प्रधान के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी मुख्यालय पहुंचे। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए हर संभव सहयोग का भरोसा दिया। उन्होंने परिवार को आर्थिक सहायता भी प्रदान की।परिजनों से बातचीत के दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा अन्याय और उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष करती रही है और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि किसी भी परिवार के लिए अपनी प्रतिभाशाली बेटी को इस तरह खो देना अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। समाजवादी पार्टी इस कठिन समय में परिवार के साथ खड़ी है और न्याय की लड़ाई में उनका पूरा सहयोग करेगी।पूर्व मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर पीड़ित परिवार की सभी न्यायोचित मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और हरसंभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी।

डंपर की टक्कर से बाइक सवार दो लोगों की मौत, चालक हिरासत में

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। किसान पथ पर गुरुवार दोपहर हुए एक भीषण सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद डंपर चालक वाहन लेकर भागने का प्रयास कर रहा था, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पीछा कर डंपर को रोक लिया और चालक को हिरासत में ले लिया। घटना के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा।पुलिस के अनुसार 18 जून 2026 को दोपहर लगभग 1:30 बजे चार्ली कंट्रोल के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि किसान पथ पर गहरू अंडरपास के पास एक डंपर संख्या यूपी-71 एटी-9827 ने मोटरसाइकिल संख्या यूपी-32 एलए-4605 को टक्कर मार दी है। हादसा इतना भीषण था कि मोटरसाइकिल डंपर में फंस गई और चालक वाहन को लेकर आगे बढ़ गया।सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए संबंधित डंपर का पीछा कराया। कुछ ही देर बाद किसान पथ आउटर रिंग रोड स्थित नटकूर क्षेत्र के पास डंपर को रोक लिया गया। पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।घटनास्थल पर पहुंची पुलिस टीम ने जांच की तो पाया कि दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्तियों की मृत्यु हो चुकी थी। मृतकों की पहचान रामसेवक पुत्र सूकरू निवासी रानीखेड़ा, थाना मोहनलालगंज, लखनऊ, उम्र लगभग 55 वर्ष तथा रामू पुत्र नत्था निवासी ग्राम नकरहा, थाना अटरिया, जनपद सीतापुर, उम्र लगभग 40 वर्ष के रूप में हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद राहत और जांच कार्य शुरू किया गया।

पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई शुरू कर दी है तथा पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही दुर्घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि हादसे के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर पड़ताल की जा रही है।डंपर चालक को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार परिजनों या संबंधित पक्ष से प्राप्त तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर सुसंगत धाराओं में वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। जांच के दौरान यह भी पता लगाया जा रहा है कि दुर्घटना चालक की लापरवाही के कारण हुई या इसके पीछे कोई अन्य कारण था।

घर पर पथराव और फायरिंग करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने वाहन व कारतूस किए बरामद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी थाना पुलिस ने मकान पर पथराव और फायरिंग की सनसनीखेज घटना का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त वाहनों को सीज करने के साथ तीन खोखा कारतूस भी बरामद किए हैं। मामले में अन्य वांछित आरोपियों की तलाश जारी है।पुलिस के अनुसार 16 जून 2026 को बरौना गांव निवासी विवेक सिंह ने थाना सुशांत गोल्फ सिटी में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि कुछ लोग उनके घर के बाहर पहुंचकर गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने मकान के गेट पर ईंट-पत्थर चलाए, जिससे उनकी मां और बहन घायल हो गईं। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि हमलावरों ने तीन से चार राउंड फायरिंग की और उसके बाद चार पहिया वाहनों से मौके से फरार हो गए।घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। मामले के अनावरण और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष पुलिस टीम गठित की गई। जांच और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने अवध ईंट भट्ठा, ग्राम बरौना क्षेत्र में दबिश देकर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अभिषेक शर्मा निवासी सेवई, थाना सुशांत गोल्फ सिटी और दुर्गेश रावत निवासी सभाखेड़ा के रूप में हुई है। पूछताछ और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

14 वर्षीय किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने वाला युवक गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। गुडम्बा थाना पुलिस ने नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने करीब 14 वर्षीय किशोरी को सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। आरोपी के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के अनुसार 28 मई 2026 को पीड़िता के परिजनों द्वारा थाना गुडम्बा में शिकायत दर्ज कराई गई थी कि उनकी 14 वर्षीय पुत्री को एक युवक बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। शिकायत के आधार पर थाना गुडम्बा में मुकदमा संख्या 216/2026 के तहत संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक अतीश सिंह को सौंपी गई थी।मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस टीम लगातार किशोरी और

आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। पतारसी और सुरागरसी के दौरान पुलिस को महत्वपूर्ण सूचना प्राप्त हुई, जिसके आधार पर कार्रवाई करते हुए 17 जून 2026 को इटौंजा जाने वाले रिंग रोड मार्ग से नाबालिग किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया गया। इसी दौरान आरोपी युवक विनय पुत्र श्यामू निवासी ग्राम दुधरा, थाना इटौंजा को भी गिरफ्तार कर लिया गया।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की उम्र लगभग 19 वर्ष है। आरोपी के कब्जे से बरामद नाबालिग किशोरी को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के तहत संरक्षण में लिया गया है। पुलिस द्वारा उसके बयान दर्ज कराने और चिकित्सीय परीक्षण सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।गुडम्बा पुलिस का कहना है कि मामले में सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस सफलता में उपनिरीक्षक अतीश सिंह, आरक्षी अनिल कुमार तथा महिला आरक्षी शशि चौहान की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि महिलाओं और बालिकाओं से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई की जा रही है, ताकि पीड़ितों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और दोषियों को कानून के दायरे में लाया जा सके।

नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने वाला आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने सकुशल किया बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। चिनहट थाना पुलिस ने नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने किशोरी को सकुशल बरामद करते हुए आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार थाना चिनहट में 20 अप्रैल 2026 को एक व्यक्ति द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई थी कि उसकी नाबालिग पुत्री को गांव का ही युवक बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। शिकायत के आधार पर थाना चिनहट में मुकदमा संख्या 211/26 के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई।मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी निरीक्षक चिनहट ने तत्काल नाबालिग किशोरी की बरामदगी और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष पुलिस टीम गठित की। जांच और तलाश के दौरान पुलिस टीम ने किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया। इसके बाद पुलिस ने नामजद आरोपी सुमित कुमार पुत्र राम किशोर निवासी गोयला, थाना चिनहट को अम्बेडकर मूर्ति तिराहा, ग्राम गोयला से गिरफ्तार कर लिया।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बरामद नाबालिग किशोरी के बयान दर्ज किए गए। विवेचना के दौरान प्राप्त तथ्यों और किशोरी के बयान के आधार पर मुकदमे में अतिरिक्त धाराओं की बढ़ोतरी की गई। इसके बाद आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया गया।गिरफ्तार आरोपी की उम्र लगभग 22 वर्ष बताई गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी के विरुद्ध दर्ज मुकदमे में आवश्यक साक्ष्य संकलित किए जा रहे हैं और नियमानुसार आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बीबीएयू में योग महोत्सव की धूम, 21 जून को भव्य रूप से मनाया जाएगा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) में 21 जून को आयोजित होने वाले 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां पूरे उत्साह और व्यापक स्तर पर चल रही हैं। विश्वविद्यालय परिसर में पिछले एक माह से योग को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से विविध कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, जागरूकता अभियानों और नियमित अभ्यास सत्रों का आयोजन किया जा रहा है। कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में योग विभाग और योग वेलनेस सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे इस अभियान को विश्वविद्यालय परिवार "योग महोत्सव" के रूप में मना रहा है।अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में प्रतिदिन आयोजित योग सत्रों में कॉमन योगा प्रोटोकॉल के अंतर्गत विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान का नियमित अभ्यास कराया जा रहा है। इन सत्रों में विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, छात्र-छात्राओं के साथ बड़ी संख्या में योग साधक और साधिकाएं भी भाग ले रही हैं। योग के प्रति बढ़ते उत्साह ने पूरे विश्वविद्यालय परिसर को स्वास्थ्य और सकारात्मक ऊर्जा के वातावरण से भर दिया है।योग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दीपेश्वर सिंह ने बताया कि इस वर्ष योग दिवस को विशेष, आकर्षक और भव्य स्वरूप देने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई हैं। उन्होंने जानकारी दी कि मुख्य कार्यक्रम 21 जून 2026 को प्रातः 6 बजे विश्वविद्यालय परिसर स्थित बिरसा मुंडा प्रेक्षागृह में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार और आमजन से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में सहभागिता करने का आह्वान करते हुए कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित और सकारात्मक जीवन जीने की वैज्ञानिक पद्धति है, जो व्यक्ति के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैयोग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नरेंद्र सिंह ने बताया कि योग दिवस के अवसर पर सामूहिक रूप से विभिन्न योगासनों, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समाज में योग के प्रति बढ़ती जागरूकता अत्यंत सकारात्मक संकेत है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को योग से जोड़कर स्वस्थ भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देना है। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है बल्कि मानसिक शांति और आत्मविश्वास भी प्रदान करता है।योग वेलनेस सेंटर के विशेषज्ञ डॉ. सागर सैनी ने कहा कि आधुनिक जीवनशैली में बढ़ते तनाव, अनियमित दिनचर्या और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के बीच योग एक प्रभावी समाधान के रूप में सामने आया है।

कांग्रेस को आंखे दिखाने वाली ममता के आंसूओं का मर्म

राजनीति में नेता कब चौला बदल ले, पता नहीं चलता। कांग्रेस को आंखे दिखाने वाली पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जब सोनिया गांधी से मिली उनकी आंखों में आंसू भर आए। यह वाक्या बताता है कि राजनीति में कुछ भी स्थिर नहीं है। दोस्त कब दुश्मन बन जाएं और दुश्मन कब दोस्त, इसका राजनीतिक इतिहास पुराना है।

इंडिया गठबंधन की दिल्ली बैठक के दौरान सोनिया गांधी और ममता बनर्जी की भावुक मुलाकात ने कांग्रेस-टीएमसी के 30 साल पुराने उतार-चढ़ाव वाले संबंधों और बंगाल चुनाव के बाद आयी दरारों को फिर से चर्चा में ला दिया। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी अपनी पार्टी में टूट के बीच जब बैठक में पहुंचीं, तो कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने आगे बढ़कर उन्हें गले लगा लिया। बंद कमरे में अपनी पुरानी सहेली और राजनीतिक साथी को सामने देख ममता बनर्जी के आंसू छलक पड़े।

ममता के ये आंसू दरअसल कांग्रेस के साथ किए गए अपने खराब पुराने बर्ताव या कांग्रेस से अलग होने की गलती के एहसास की वजह से नहीं आए, बल्कि भाजपा द्वारा विधानसभा चुनाव जीत कर सारा दंभ हवा होने से गई सत्ता गंवाने और अपने सांसदों के टूटने की वजह से आएं। दरअसल पश्चिम बंगाल से तृणमूल कांग्रेस के सत्ता से बाहर होने और पार्टी के सांसदों के विद्रोह से ममता के राजनीतिक अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है। जिसकी ममता बनर्जी ने कभी कल्पना भी नहीं की थी।

ममता को सोनिया गांधी से मिली 'जादू की झप्पी' सिर्फ व्यक्तिगत ढाढ़स नहीं थी। यह कांग्रेस और टीएमसी के बीच पिछले 3 दशकों से चले आ रहे उतार-चढ़ाव, पुरानी राजनीतिक दरारों और बंगाल में एक-दूसरे के वजूद को मिटाने की खूनी क्रोनोलॉजी का अंतिम और सबसे असहाय पड़ाव था। 1997-98 में ममता बनर्जी ने तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व (सोनिया गांधी के उभार के समय) पर वामपंथियों (वाममोर्चा) के खिलाफ ढुलमुल रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस से नाता तोड़ लिया था।

ममता ने अलग तृणमूल कांग्रेस पार्टी का गठन किया था। अगले दो दशक में ममता बनर्जी ने वामपंथ के साथ-साथ कांग्रेस को भी बंगाल में शून्य कर दिया। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान ममता बनर्जी ने बंगाल में कांग्रेस को महज दो सीटों पर ही लोकसभा चुनाव लड़ने की पेशकस की थी, मगर कांग्रेस टीएमसी से 10-12 सीटों की डिमांड कर रही थी। ममता बनर्जी ने कांग्रेस की 10-12 लोकसभा सीटों की मांग को 'अनुचित' बताया था और पश्चिम बंगाल में सीट बंटवारे पर चर्चा में देरी के लिए कांग्रेस की आलोचना की थी।

ममता ने 'एकला चलो' की नीति अपनाते हुए बहरमपुर में यूसुफ पठान को उतारकर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी को हरा दिया। इससे दिल्ली का कांग्रेस नेतृत्व अंदर से बेहद आहत था। कांग्रेस पार्टी के पारंपरिक गढ़ों (मालदा, मुर्शिदाबाद और उत्तर दिनाजपुर) को भी पूरी तरह से ममता बनर्जी ने निगल लिया। अधीर रंजन चौधरी जैसे कद्दावर नेताओं को साइडलाइन कर उन्होंने कांग्रेस के वोट बैंक पर अपना एकछत्र राज स्थापित कर लिया था।

ममता की राजनीतिक महत्वकांक्षा इतनी प्रबल हो गई, कि पश्चिम बंगाल तक सीमित होने के बावजूद कांग्रेस का नेतृत्व किसी रूप में स्वीकार करने से इंकार कर दिया। इससे भी आगे बढ़ कर इंडिया गठबंधन के नेतृत्व का दावा तक पेश कर दिया था। इस नेतृत्व का मतलब था गठबंधन की तरफ से प्रधानमंत्री पद की दावेदारी। ममता बनर्जी ने चुनावों और उपचुनावों में इंडिया ब्लॉक के प्रदर्शन पर निराशा जाहिर करते हुए कहा था कि वह इसकी कमान संभालने को तैयार है।

कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने तब कहा था कि 'ममता बनर्जी को ऐसा लगता है पर हमें ऐसा नहीं लगता। चर्चा करेंगे। उनके कहने से उनकी पार्टी चलती है। हम तो कांग्रेस के कहने से चलते हैं। केरल में वाम शासन को कांग्रेस के हाथ गंवा चुकी लेफ्ट ने भी कांग्रेस पर सवाल उठाए थे। तब लेफ्ट नेता डी राज्या ने भी कहा था कि 'कांग्रेस को आत्मचिंतन करने की जरूरत है। राज्या ने कहा था कि कांग्रेस ने हरियाणा और महाराष्ट्र चुनावों में गठबंधन सहयोगियों को समायोजित नहीं किया। अगर कांग्रेस ने इंडिया ब्लॉक सहयोगियों की बात सुनी होती तो लोकसभा और हरियाणा-महाराष्ट्र में नतीजे अलग होते।

बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में जब भारतीय जनता पार्टी ने 207 सीटें जीतकर ममता बनर्जी को सत्ता से बेदखल कर दिया, तो अचानक से पूरी बाजी पलट गयी। सत्ता हाथ से जाते ही टीएमसी के भीतर सांसदों और विधायकों में भगदड़ मच गयी। टीएमसी से बगावत करने वाले सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिख कर अलग से सीट देने की मांग की है।

पाठ्यक्रमों को रोजगारपरक बनाने में ही युवा वर्ग का कल्याण निहित

निशा सिंह

इंडिया स्किल्स रिपोर्ट-2026 स्पष्ट करती है कि स्नातक रोजगार योग्यता 56.35 प्रतिशत है। यह आंकड़ा जिसे कुछ क्षेत्रों में प्रगति के रूप में मनाया जाता है

देश के उच्च शिक्षण संस्थान आज जिस तरह की डिग्री के साथ युवाओं को रोजगार की तलाश में मैदान में उतारते हैं, उनमें से आधे से अधिक में वह क्षमता ही नहीं होती जो उस मुकाम के काबिल अपने को साबित कर सकें। ऐसे में उनकी डिग्री रोजगार पाने की गारंटी नहीं बन पाती। यह बात पिछले कई सर्वे रिपोर्ट से निकलकर आई है। नियोक्ता भी जिस क्षमता के कर्मचारी की तलाश में होते हैं, वह आज के बहुत से युवाओं में मिलती ही नहीं । ऐसे में आज समय की मांग है कि हम अपने पाठ्यक्रमों में शीघ्र बदलाव करें और उसे नियोक्ताओं की जरूरत के मुताबिक़ तैयार करें। यह उन संस्थानों के लिए और भी जरूरी हो जाती है जो सालों साल से केवल डिग्री बांटने का कार्य कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के मताबिक भारत में हर साल 90 लाख से अधिक युवा स्नातक होते हैं, जिनमें आधे से भी कम लोग पहले दिन नौकरी के लिए तैयार होते हैं, बाकी सभी अपने को ठगा महसूस करते हैं। वर्ष 2027 तक 47-49 मिलियन श्रमिकों की कमी के साथ, पाठ्यक्रम और उद्योग की जरूरतों के बीच बढ़ती खाई अब केवल नीतिगत चिंता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चुनौती बन चुकी है।₹

इंडिया स्किल्स रिपोर्ट-2026 स्पष्ट करती है कि स्नातक रोजगार योग्यता 56.35 प्रतिशत है। यह आंकड़ा जिसे कुछ क्षेत्रों में प्रगति के रूप में मनाया जाता है, उसे ध्यान से पढ़ने वाले किसी भी व्यक्ति को परेशान कर सकती है। व्हीबॉक्स-ई. टी. एस. इंडिया स्किल्स रिपोर्ट-2025 ने इसे और भी कम 42.6 प्रतिशत पर रखा। इस तरह लगभग दस में से चार स्नातक उन दक्षताओं के बिना उभरते हैं जिनकी नियोक्ताओं को आवश्यकता होती है। कोई भी अर्थव्यवस्था इस तरह के प्रणालीगत कमी को लम्बे समय तक बर्दाश्त नहीं कर सकती है। भारत 2027 तक 47-49 मिलियन कुशल श्रमिकों की अनुमानित कार्यबल की कमी का सामना कर रहा होगा। अकेले विनिर्माण क्षेत्र में इस वर्ष एक मिलियन श्रमिकों की कमी होगी। ए.आई., साइबर सुरक्षा, हरित ऊर्जा और जैव प्रौद्योगिकी में भारत के अगले दो दशकों के पाठ्यक्रम को परिभाषित करने वाले क्षेत्र न केवल नेतृत्व करने में विफल रहे हैं, बल्कि वे मुश्किल से पालन कर पा रहे हैं।

पाठ्यक्रम-उद्योग का अंतर संरचनात्मक है, आकस्मिक नहीं। विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन नामांकन, उत्तीर्ण दर और शोध परिणाम के आधार पर किया जाता है। उद्योग का मूल्यांकन उत्पादकता

और नियुक्तियों की क्षमता के आधार पर किया जाता है। ये माप प्रणालियाँ लगभग कुछ भी साझा नहीं करती हैं, इसलिए संस्थान पूरी तरह से अलग-अलग चीजों के लिए अनुकूलन करते हैं। इंडिया स्किल्स रिपोर्ट 2026 में तीन चक्रवृद्धि विफलताओं की पहचान की गई हैः पाठ्यक्रम विकसित प्रौद्योगिकियों से पीछे है; आलोचनात्मक सोच और संचार जैसे सॉफ्ट स्किल्स को पढ़ाने योग्य दक्षताओं के बजाय व्यक्तित्व लक्षणों के रूप में माना जाता है; और उन्नत तकनीकी प्रशिक्षण तक पहुंच बहुत असमान बनी हुई है, जिसमें टियर-2 और टियर-3 के छात्र एआई उपकरणों और उद्योग सलाहकारों से कट जाते हैं जिन्हें उनके मेट्रो साथी हल्के में लेते हैं। 82 प्रतिशत भारतीय नियोक्ता सही-फिट उम्मीदवारों को खोजने में कठिनाई महसूस करते हैं। नैसकॉम का अनुमान है कि भारत का एआई टैलेंट पूल वर्ष 2027 तक दोगुने से अधिक बढ़कर 1.25 मिलियन होना चाहिए, भले ही एआई बाजार सालाना 25-35 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा हो। बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा (बी. एफ. एस. आई.) क्षेत्र का अनुमान है कि 2027 तक इसके लिए आवश्यक 50 प्रतिशत कौशल अभी तक किसी भी पाठ्यक्रम में औपचारिक रूप से मौजूद नहीं हैं। हम आज भी उन कौशलों की शिक्षा दे रहे हैं जिनकी मांग कल थी, जबकि उद्योग को कल की नहीं, आने वाले समय की तैयारी चाहिए।

एन. ई. पी. 2020, केंद्रीय बजट 2025-26, ए. आई. में उत्कृष्टता केंद्र, मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए चार ए. आई. सी. ओ. ई. और 2026-27 से शुरू होने वाले ग्रेड 3 से ए. आई. शुरू करने की भारत की योजना, ये वास्तविक महत्वाकांक्षा को दर्शाते हैं। पी. एम. के. वी. वाई. ने 15.7 लाख लोगों को प्रशिक्षित किया है, लेकिन एन. ई. पी. के लागू होने के पाँच साल बाद, घोषणा से परिणाम की ओर बदलाव अभी तक जमीनी स्तर पर दिखाई नहीं दे रहा है। अधिकांश विश्वविद्यालयों में पाठ्यक्रम संशोधन चक्र एक ऐसी दुनिया में औसतन तीन से पांच साल का होता है जहां प्रासंगिक कौशल हर 18 महीने में बदलते हैं। पाठ्यक्रम डिजाइन में उद्योग की भूमिका सलाहकार बनी हुई है, परिचालन में नहीं।

क्षेत्र कौशल परिषद पहले से ही योग्यता पैक और राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों का उत्पादन करती हैं जो नियोक्ता की वास्तविक अपेक्षाओं को दर्शाते हैं। ये स्नातक कार्यक्रम डिजाइन के लिए अनिवार्य आधार होने चाहिए, जिन्हें सालाना अद्यतन किया जाना चाहिए। उद्योग व्यवसायियों को न केवल दशक पुराने ज्ञान वाले पी. एच. डी. धारकों को, पाठ्यक्रम पढ़ाने, मार्गदर्शन करने और सह-डिजाइन करने में सक्षम बनाया जाना चाहिए। इंटर्नशिप क्रेडिट-असर वाली, मूल्यांकन की गई आवश्यकताएँ होनी चाहिए, न कि आकस्मिक। सॉफ्ट स्किल्स को हर सेमेस्टर से गुजरना चाहिए, न कि अंतिम वर्ष में एक परिष्करण पाठ्यक्रम के रूप में और संस्थागत मूल्यांकन को अनुसंधान रैंकिंग के साथ-साथ नियोक्ता की प्रतिक्रिया को औपचारिक रूप से तौलना चाहिए।भारत का जनसांख्यिकीय लाभांश अपने आप आर्थिक शक्ति में नहीं बदल जाएगा। इसके लिए शिक्षा व्यवस्था को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप तेज़ी से बदलना होगा। यदि हम युवाओं को केवल डिग्री देकर श्रम बाजार में भेजते रहे, तो अवसर का यह स्वर्णिम दौर चुनौती में बदल सकता है। समय की मांग है कि शिक्षा, कौशल और उद्योग के बीच की दूरी को शीघ्र समाप्त किया जाए।

(लेखिका भारत के कौशल पारिस्थितिकी तंत्र में लगभग दो दशकों के अनुभव के साथ एक कार्यबल विकास और कौशल नीति के रूप में कार्यरत हैं। विचार व्यक्तिगत हैं।)

टिप्पणी

भारत विरोधी रुख

यूरोपियन यूनियन और पाकिस्तान के साझा बयान में भारत के नजरिए से कई आपत्तिजनक बातें हैं। यूक्रेन युद्ध के साथ कश्मीर का उल्लेख और कश्मीर को अनसुलझा मुद्दा बताना स्पष्टतः भारत विरोधी रुख है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की पिछले हफ्ते हुई चीन यात्रा के समय जारी साझा बयान में जम्मू-कश्मीर का जिक्र हुआ। चीन ने जम्मू-कश्मीर को इतिहास से जन्मा विवाद कहा। दोनों पक्षों ने इस मुद्दे के शांतिपूर्ण और उचित समाधान की बात कही। संयुक्त वक्तव्य में कहा गया कि समाधान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों, द्विपक्षीय समझौतों, और संबंधित पक्षों की आकांक्षाओं के अनुरूप होना चाहिए। स्पष्टतः यह भारत विरोधी बयान था। उचित ही भारत सरकार ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया जताई और कश्मीर संबंधी उन टिप्पणियों को सिरे से ठुकरा दिया।

बहरहाल, अब यूरोपियन यूनियन (ईयू) ने पाकिस्तान के साथ अपने साझा बयान में जो कहा है, वह चीन की टिप्पणियों से भी आगे जाता मालूम पड़ा है। ईयू की विदेश नीति प्रमुख काया काल्लास की इस्लामाबाद यात्रा के समय जारी वक्तव्य में कहा गया- 'पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर मुद्दे की जानकारी दी। ईयू ने यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध की जानकारी दी। दोनों पक्षों ने इन टकरावों का संयुक्त राष्ट्र घोषणापत्र के अनुरूप बातचीत एवं कूटनीति से शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया।Ó स्पष्टतः इस कथन में कई आपत्तिजनक बातें हैं। यूक्रेन युद्ध के साथ कश्मीर का उल्लेख और कश्मीर को अनसुलझा मुद्दा बताना सीधे तौर पर भारत विरोधी रुख है। यहां तक कि चीन ने भी भारत- पाकिस्तान के द्विपक्षीय समझौतों का उल्लेख किया था, जबकि ईयू ने उनकी भी अनदेखी कर दी है।

एक अलग टिप्पणी में काल्लास ने पाकिस्तान को महत्त्वपूर्ण क्षेत्रीय शक्ति बताया। पिछले कई दशकों से भारतीय विदेश नीति का एक प्रमुख उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद के संरक्षक पाकिस्तान को अलग-थलग करना रहा है। 2008 के मुंबई हमलों के बाद इस दिशा में कई अहम कामयाबियां भी मिली थीं। मगर अब पाकिस्तान को क्यों अहमियत एवं अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता मिल रही है, यह कठिन प्रश्न हमारे सामने है। चीन और 57 सदस्यों वाले इस्लामिक सहयोग संगठन का हाथ तो हमेशा पाकिस्तान की पीठ पर रहा है, मगर ईयू और अमेरिका के डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने भी उसे अहमियत दें, तो क्या इसे भारतीय विदेश नीति की कमजोरी के रूप में नहीं देखा जाएगा?

ब्लॉग

मोदी की फ्रांस, स्लोवाकिया यात्रा से बदले वैश्विक समीकरण, दुनिया को दिखा नए भारत का दम

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फ्रांस और स्लोवाकिया यात्रा ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। खासतौर पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मोदी का स्वागत जिस धुरंधर स्टाइल में किया, उसने दुनिया को साफ संदेश दे दिया कि मोदी वैश्विक राजनीति के सबसे बड़े धुरंधरों में गिने जाते हैं। इस यात्रा के दौरान यूरोप की धरती पर भारत की बढ़ती ताकत और मोदी की वैश्विक लोकप्रियता हर तरफ दिखाई दी। फ्रांस से लेकर स्लोवाकिया तक भारतीय समुदाय ने अपने प्रधानमंत्री का जिस उत्साह, जोश और भारतीय अंदाज में स्वागत किया, उसकी गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दी। हाथों में तिरंगा, भारत माता के जयकारे और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने यह दिखा दिया कि दुनिया भर में बसे भारतीय आज अपने देश की बढ़ती प्रतिष्ठा पर गर्व महसूस कर रहे हैं। यही वजह है कि मोदी की यह यात्रा केवल एक विदेशी दौरा नहीं रही, बल्कि दुनिया के सामने नए और शक्तिशाली भारत का दमदार प्रदर्शन बन गई।

देखा जाये तो यूरोप की धरती पर मोदी का स्वागत जिस गर्मजोशी, रणनीतिक सम्मान और राजनीतिक विश्वास के साथ हुआ, उसने दुनिया को यह संदेश दिया कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की भूमिका निर्णायक होती जा रही है। विशेष रूप से फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा को जिस तरह भारतीय रंग दिया, वह भारत की बढ़ती सांस्कृतिक और रणनीतिक ताकत की स्वीकारोक्ति थी। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो, मोदी और मैक्रों की आत्मीयता और नाइस में आयोजित भारत इनोवेट्स सम्मेलन ने यह साबित किया कि भारत और फ्रांस का रिश्ता अब केवल हथियार खरीद तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह तकनीक, नवाचार, अंतरिक्ष, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और वैश्विक नेतृत्व की साझेदारी में बदल चुका है।

मोदी और मैक्रों की बैठक में जो सबसे महत्वपूर्ण संदेश उभरा, वह था रक्षा सहयोग का नया प्रारूप। भारत ने साफ कर दिया कि अब वह केवल विदेशी हथियारों का खरीदार नहीं रहेगा। राफेल कार्यक्रम को लेकर भारत ने सह विकास, सह डिजाइन, सह उत्पादन और सह निर्माण की नीति अपनाकर अपनी रणनीतिक दिशा स्पष्ट कर दी है। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री का बयान इस बात का संकेत है कि मोदी सरकार रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को निर्णायक रूप से आगे बढ़ा रही है।

देखा जाये तो राफेल केवल एक युद्धक विमान नहीं है बल्कि यह भारत की सामरिक शक्ति का प्रतीक बन चुका है। भारतीय वायुसेना के पास पहले से मौजूद 36 राफेल विमानों ने दक्षिण एशिया में शक्ति संतुलन को बदल दिया है। अब भारतीय नौसेना के लिए 26 राफेल समुद्री विमानों का समझौता और भविष्य में बड़े राफेल कार्यक्रम की तैयारी यह दिखाती है कि भारत हिंद महासागर से लेकर हिमालय तक अपनी सैन्य क्षमता को नई ऊंचाई पर ले जा रहा है। इन विमानों की लंबी दूरी तक मार करने की क्षमता, अत्याधुनिक सेंसर प्रणाली और बहु भूमिका युद्ध कौशल भारत को चीन और पाकिस्तान दोनों के खिलाफ निर्णायक बढ़त देते हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अब राफेल का निर्माण और उसके पुर्जों का उत्पादन भारत में करने की दिशा में बातचीत आगे बढ़ रही है। इसके जरिये भारत विश्व का प्रमुख रक्षा विनिर्माण केंद्र बन सकता है। इससे न केवल लाखों कुशल रोजगार पैदा होंगे बल्कि भारत का रक्षा औद्योगिक ढांचा भी मजबूत होगा। यह बदलाव दक्षिण एशिया की सामरिक राजनीति पर गहरा प्रभाव डालेगा। अब तक हथियार आयात पर निर्भर भारत धीरे धीरे रक्षा निर्यातक राष्ट्र बनने की दिशा में बढ़ रहा है। इससे क्षेत्रीय शक्ति संतुलन भारत के पक्ष में और अधिक झुकता दिखाई देगा।

साथ ही फ्रांस के साथ भारत की साझेदारी केवल रक्षा तक सीमित नहीं है। दोनों देशों ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य तय किया है। भारत फ्रांस नवाचार रोडमैप 2030, कृत्रिम बुद्धिमत्ता कार्य समूह, आर्थिक सुरक्षा संवाद और महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला पर सहयोग जैसे फैसले इस बात का संकेत हैं कि दोनों देश आने वाले दशकों की वैश्विक अर्थव्यवस्था और तकनीकी प्रतिस्पर्धा को साथ मिलकर आकार देना चाहते हैं।

नाइस में आयोजित भारत इनोवेट्स सम्मेलन इस यात्रा का सबसे प्रतीकात्मक क्षण साबित हुआ। एक सौ बीस से अधिक भारतीय डीप टेक स्टार्टअप, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों की भागीदारी और वैश्विक निवेशकों की मौजूदगी ने यह साबित कर दिया कि भारत अब केवल बाजार नहीं, बल्कि नवाचार का वैश्विक केंद्र बन चुका है। मोदी ने सही कहा कि भारत और फ्रांस का रिश्ता केवल हितों का नहीं, बल्कि साझा दृष्टि का रिश्ता है। मैक्रों द्वारा भारत की चंद्रयान उपलब्धि और नवाचार क्षमता की खुली प्रशंसा इस बात का प्रमाण है कि विश्व अब भारत को तकनीकी महाशक्ति के रूप में देखने लगा है।

फ्रांस यात्रा का एक और महत्वपूर्ण पहलू था अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा सहयोग। छोटे और उन्नत परमाणु रिएक्टरों पर सहयोग तथा मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम में साझेदारी भारत को भविष्य की रणनीतिक तकनीकों में अग्रणी स्थान दिला सकती है। यही कारण है कि भारत फ्रांस संबंध अब पारंपरिक कूटनीति से निकलकर भविष्य की वैश्विक व्यवस्था की धुरी बनते दिख रहे हैं।

फ्रांस के बाद प्रधानमंत्री मोदी की स्लोवाकिया यात्रा ने भारत की यूरोपीय रणनीति को और गहराई दी। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली स्लोवाकिया यात्रा थी और इसी तथ्य ने इसे ऐतिहासिक बना दिया। ब्रातिस्लावा में प्रधानमंत्री राबर्ट फित्सो और राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी के साथ हुई बैठकों ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब यूरोप के छोटे लेकिन रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण देशों के साथ भी मजबूत संबंध बना रहा है।

भारत और स्लोवाकिया के बीच संबंधों को व्यापक साझेदारी का दर्जा दिया जाना एक महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम है। यह मध्य यूरोप में भारत की बढ़ती उपस्थिति का संकेत है। वाहन निर्माण, रेलवे उत्पादन, निवेश, उभरती तकनीक और व्यापार के क्षेत्रों में सहयोग भारत को यूरोपीय संघ के भीतर नई आर्थिक और रणनीतिक पहुंच देगा। विशेष रूप से भारत यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को शीघ्र लागू करने की दिशा में सक्रिय दिख रहा है, जिसका लाभ भारतीय उद्योग और निर्यात को मिलेगा।

देखा जाये तो मोदी की यह पूरी यूरोपीय यात्रा दरअसल भारत की बहुस्तरीय कूटनीति का उदाहरण है। एक ओर फ्रांस जैसे शक्तिशाली राष्ट्र के साथ रक्षा और तकनीकी गठजोड़ को नई ऊंचाई दी जा रही है, वहीं दूसरी ओर स्लोवाकिया जैसे देशों के माध्यम से यूरोप में भारत का प्रभाव क्षेत्र विस्तारित किया जा रहा है। यह नीति भारत को ग्लोबल साउथ और पश्चिमी शक्तियों के बीच एक संतुलित, विश्वसनीय और प्रभावशाली शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है।

गाजीपुर का रोमियो चोर: चोरी के फोन से देता था कोर्ट मैरिज का झांसा, महिलाओं ने मिलने बुलाया, फिर सिखाया ऐसा सबक

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के रेवतीपुर थाना क्षेत्र से एक बेहद दिलचस्प और फिल्मी अंदाज वाला मामला सामने आया है। यहां चोरी के मोबाइल से महिलाओं को अश्लील कॉल करने और उन्हें कोर्ट मैरिज का झांसा देने वाले एक चोर को महिलाओं ने ही अपनी सूझबूझ से दबोच लिया। महिलाओं ने जाल बिछाकर चोर को मिलने के बहाने बुलाया और जैसे ही वह पहुंचा, ग्रामीणों ने उसे पकड़कर बगीचे में आम के पेड़ से बांध दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

यह अनोखी घटना रेवतीपुर थाना क्षेत्र के साइतबांध बनवासी बस्ती की है। जानकारी के मुताबिक, करीब तीन-चार दिन पहले बस्ती के एक घर में रात के समय चोरी की वारदात हुई थी। चोर घर में घुसकर एक कीपैड और एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन चुरा ले गया था। पीड़ित परिवार ने इस चोरी की शिकायत स्थानीय पुलिस को दी थी, वहीं ग्रामीण भी अपने स्तर पर चोर की सुरागकशी में जुटे हुए थे।

मोबाइलों को चुराने के बाद चोर ने एक बड़ी बेवकूफी कर दी। वह चोरी किए गए एंड्रॉयड फोन में मौजूद बस्ती की महिलाओं के नंबर निकालकर उन्हें लगातार कॉल करने लगा। आरोपी महिलाओं से अशोभनीय और अश्लील बातें करता था और उन्हें कोर्ट मैरिज करने का झांसा देकर मिलने के लिए बुलाता था। उसकी इन हरकतों से परेशान होकर महिलाओं ने ग्रामीणों के साथ मिलकर उसे सबक सिखाने का प्लान बनाया।

जाल बिछाकर बुलाया, फिर आम के पेड़ से बांधा

रणनीति के तहत कुछ महिलाओं ने फोन पर मीठी बातें कर आरोपी चोर को मिलने के लिए एक निर्धारित स्थान पर राजी कर लिया। चोर जैसे ही महिलाओं से मिलने के लिए गांव पहुंचा, वहां पहले से घात लगाकर बैठे ग्रामीणों और महिलाओं ने उसे रंगे हाथों दबोच लिया। गुस्साए ग्रामीणों ने उसे बस्ती के पास एक बगीचे में ले जाकर हाथ पीछे बांधे और आम के पेड़ से लटका दिया। इस दौरान आरोपी अपनी गलती मानते हुए रोने लगा और पुलिस को न सौंपने की गुहार लगाता रहा।

डायल-112 मौके पर, आरोपी ने कबूली कई चोरियां

बगीचे में चोर को बांधे जाने की सूचना मिलते ही यूपी डायल-112 और रेवतीपुर थाने की पुलिस टीम उपनिरीक्षक बृजभूषण दूबे के नेतृत्व में मौके पर पहुंची। पुलिस ने आरोपी को ग्रामीणों के चंगुल से छुड़ाकर हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम बृजेश कुमार राम बताया, जो पटकनियां का रहने वाला है। उसके पास से चोरी का कीपैड मोबाइल भी बरामद हुआ है। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी ने इलाके में मोबाइल चोरी की कई अन्य वारदातों को अंजाम देने की बात भी कबूल की है। बनवासी समाज के जिला मंत्री राजू बनवासी ने बताया कि आरोपी की हरकतों से पूरी बस्ती परेशान थी और ग्रामीणों की सतर्कता के कारण ही इस शातिर अपराधी को पकड़ा जा सका है।

5 साल का प्यार, मंदिर में शादी, 1 महीने तक भी नहीं हुई विदाई तो... टॉवर पर चढ़ गई दुल्हन

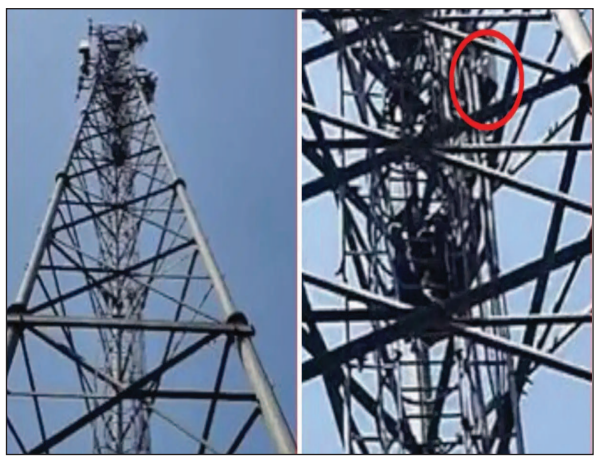

आर्यावर्त संवाददाता

रामपुर। उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले में उस समय हड़कंप मच गया, जब विदाई की मांग को लेकर एक नवविवाहिता शोले फिल्म के वीरू के अंदाज में 50 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गई। इस हाई-वोल्टेज ड्रामे को देखने के लिए मौके पर सैकड़ों ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। यह पूरा मामला प्रेम प्रसंग, जबरन शादी के आरोपों और विदाई न होने से उपजे विवाद से जुड़ा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, युवती का गांव के ही एक युवक के साथ पिछले पांच वर्षों से प्रेम संबंध चल रहा था। बीते 13 मई को दोनों ने मंदिर में एक-दूसरे को जयमाला पहनाकर प्रेम विवाह किया था। लेकिन शादी के महज पांच दिन बाद ही यानी 18 मई को लड़के ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर जान देने की कोशिश की।

परिजनों की मुस्तैदी से उसकी जान तो बच गई, लेकिन इस घटना के बाद (एक महीना बीत जाने पर भी) वह अपनी पत्नी को विदा कराकर घर नहीं ले जा रहा था। पति द्वारा दूरी बना लेने से आहत होकर युवती ने आखिरकार यह आत्मघाती कदम उठाया। वह टावर पर चढ़कर लगातार अपने पति को मौके पर बुलाने की जिद पर अड़ गई।

ससुराल पक्ष का आरोप- लड़के का अपहरण कर जबरन कराई शादी

इस मामले को लेकर दोनों पक्षों के अपने-अपने दावे हैं। युवती का आरोप है कि युवक ने शादी का झांसा देकर पांच साल तक संबंध बनाए और अब सामाजिक विदाई के वादे से मुकर रहा है। दूसरी ओर, लड़के के परिजनों का दावा बिल्कुल अलग है। ससुराल पक्ष का आरोप है कि लड़की के परिवार वालों ने लड़के का अपहरण कर जबरन यह शादी कराई थी। विदाई के लिए मिल रही धमकियों और मानसिक दबाव के कारण ही युवक ने शादी के पांच दिन बाद आत्मघाती कदम उठाया था। अस्पताल से ठीक होने के बाद पति ने विदाई से साफ इनकार कर दिया था, जिसके बाद बुधवार सुबह यह हंगामा हुआ।

पुलिस ने युवक को मौके पर बुलाया, तब उतरी दुल्हन

इस संवेदनशील मामले की सूचना मिलते ही रामपुर के मिलक थाना क्षेत्र और मुरादाबाद पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत और समझाश के बाद पुलिस ने युवती को सुरक्षित नीचे उतारा। पुलिस ने तुरंत युवक को ढूंढकर मौके पर बुलाया। जब युवक ने पत्नी को साथ ले जाने का आश्वासन दिया, तब जाकर युवती नीचे आने को राजी हुई। पुलिस दोनों पक्षों को कोतवाली लाकर मामले को शांत कराने और समझौते का प्रयास कर रही है। पुलिस का कहना है कि दोनों परिवारों के बयानों के आधार पर निष्पक्ष जांच की जा रही है।

आस्वासन के बाद आमरण अनशन समाप्त

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जफराबाद रेलवे जंक्शन के प्लेटफार्म नम्बर चार पर बन्द किये गए छोटे गेट को खोलने तथा स्थायी गेट बनाये जाने के आश्वाशन के बाद जज सिंह अन्ना ने अपने आमरण अनशन को गुरुवार की दोपहर को खत्म कर दिया। ज्ञात हो स्टेशन के चार नम्बर प्लेटफार्म चार से बाहर निकलने वाले छोटे गेट को बंद कर दिया गया था।जिससे आम यात्री को दो किमी तक का चक्कर काटकर ट्रेन पकड़ने जाना पड़ता था।क्योंकि काफी यात्रियों का शहर की तरफ से स्टेशन पर आना रहता है।उसी तरफ से निकलने वाले छोटे गेट को भी बंद कर दिया गया था।बुधवार को जज सिंह अन्ना ने उक्त छोटे गेट को तत्काल खोलने तथा प्लेटफार्म नम्बर चार के तरफ गेट को स्थायी गेट बनाये जाने के लिए बुधवार से आमरण अनशन शुरू किया था। गुरुवार को सीनियर इंजीनियर जौनपुर लखनऊ मंडल सुनील कुमार मौके पर आकर चार नम्बर प्लेटफार्म पर बन्द किये गए छोटे गेट को तुड़वा दिया।इसके अलावा अन्ना को आश्वाशन दिया कि जब कार्य का विस्तार होगा तब स्थायी गेट बनवाया जाएगा। उन्होंने अन्ना को जूस पिलाकर अनशन तुड़वाया।इस मौके पर आरपीएफ के एस आई अजय कुमार,चैकी प्रभारी प्रभुनारायण सिंह,सुमित कुमार, राधेश्याम सिंह,अमूल्य सिंह,विवेकानंद यादव,मनोज मिश्र आदि मौजूद रहे।

55 लाख नहीं देने पर भतीजे को आया गुस्सा, चाचा को मारी गोली... फिर खुद लगाया पुलिस को फोन

आर्यावर्त संवाददाता

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के खुर्जा नगर कोतवाली क्षेत्र के गांव कवंसी में पैसों के लेनदेन को लेकर हुआ विवाद खूनी रूप ले बैठा। यहां एक भतीजे ने अपने ही चाचा की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

जानकारी के मुताबिक, गांव कवंसी निवासी 50 वर्षीय बृजमोहन उर्फ गुड्डू ने कुछ समय पहले अपने भतीजे कृष्णकांत उर्फ मालवा शर्मा से करीब 55 लाख रुपये उधार लिए थे। बताया जा रहा है कि कृष्णकांत लंबे समय से अपने चाचा से रकम वापस मांग रहा था, लेकिन रुपये वापस नहीं मिलने को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था। इसी बात को लेकर भतीजे ने घटना को अंजाम दिया।

खेत जोतने को लेकर बढ़ा विवाद, फिर चली गोली

रुपये वापस नहीं मिलने से नाराज कृष्णकांत ने अपने चाचा बृजमोहन के खेत को जोतना शुरू कर दिया। जब इसकी जानकारी बृजमोहन को हुई तो वह मौके पर पहुंचे और खेत जोतने का विरोध किया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी कृष्णकांत ने फायरिंग कर दी, जिसमें बृजमोहन को गोली लग गई और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पीआरवी और स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

आरोपी ने खुद डायल 112 पर पुलिस को दी सूचना

घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी कृष्णकांत ने खुद डायल 112 पर पुलिस को मामले की सूचना दी। इसके बाद स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे हिरासत में ले लिया। एसपी देहात अंतरिक्ष जैन ने बताया कि पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घटना में इस्तेमाल की गई एक पिस्टल भी पुलिस ने बरामद की है। पुलिस अब इस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है कि आखिर मामला केवल पैसों के लेनदेन का था या इसके पीछे कोई और वजह भी थी।

जेवर में करोड़ों की लागत से बनी थी सड़क, 15 दिन में दो बार टूटी... गुणवत्ता पर सवाल

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में करोड़ों रुपये की लागत से बनाई गई सड़क महज 15 दिन में दो बार टूट गई। जेवर इलाके की इस सड़क की खराब हालत को लेकर अब निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। मामला हमीदपुर से बुलंदशहर को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-334DD से जुड़ा है, जहां मरम्मत के बाद भी सड़क जगह-जगह से उखड़ने लगी। स्थानीय लोगों की लगातार शिकायत के बाद विभाग हरकत में आया और निर्माण एजेंसी को सड़क दोबारा बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई।

बनाने में लगे करोड़ों रुपये

जानकारी के मुताबिक, लंबे समय से खराब पड़े इस मार्ग को सुधारने के लिए करोड़ों रुपये की लागत से टेंडर जारी किया गया था। नोएडा की मां भगवती कंस्ट्रक्शन कंपनी ने काम शुरू किया और करीब एक किलोमीटर हिस्से का निर्माण पूरा किया। लेकिन निर्माण के कुछ ही दिन बाद सड़क टूटने लगी। विभाग ने पहले सड़क की मरम्मत कराई, लेकिन पांच दिन बाद ही सड़क फिर से खराब हो गई। जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं, जिससे लोगों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी सड़क के ऐसे हालात हैं, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े होते हैं।

दोबारा निर्माण की मांग

भाजपा जेवर मंडल अध्यक्ष संजीव शर्मा ने नाराजगी जताते हुए कहा कि सड़क पिछले करीब दो साल से खराब थी। स्थानीय सांसद डॉ। महेश शर्मा के प्रयासों से सड़क का टेंडर पास हुआ था, लेकिन खराब निर्माण सामग्री के चलते 15 दिन में ही दोबारा सड़क टूट गई। उन्होंने विभाग से सड़क को पूरी तरह उखाड़कर दोबारा बनाने की मांग की है। वहीं, जब इस पूरे मामले में राष्ट्रीय राजमार्ग खंड, लोक निर्माण विभाग, गाजियाबाद के अधिशासी अभियंता अरविंद सिंह यादव से बात की गई तो उन्होंने बताया कि निर्माण एजेंसी को क्षतिग्रस्त सड़क पूरी तरह उखाड़कर दोबारा बनाने का नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि ठेकेदार को इस कार्य का कोई भुगतान भी नहीं किया गया है। मानकों के अनुसार सड़क तैयार होने के बाद ही आगे की प्रक्रिया की जाएगी। गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।

दहषत में दिव्यांग परिवार, सीएम से गुहार

जौनपुर। खुटहन थाना क्षेत्र अंतर्गत सैद पनौली गांव की निवासी संगीता पत्नी संतलाल ने मुख्यमंत्री उत्तर को प्रार्थना पत्र भेजकर अपने परिवार की सुरक्षा और न्याय की मांग की है। पीड़ता का आरोप है कि गांव के कुछ दबंग पड़ोसी लगातार उन्हें और उनके परिवार को प्रताड़ित कर रहे हैं, लेकिन पुलिस द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है।प्रार्थना पत्र के अनुसार, संगीता के पति संतलाल शारीरिक रूप से दिव्यांग हैं और लंबे समय से बीमारी से ग्रसित होने के कारण उनका उपचार चल रहा है। ऐसे में परिवार आर्थिक और सामाजिक कठिनाइयों के बीच जीवन यापन कर रहा है। पीड़ता का आरोप है कि पड़ोस के कुछ लोग आए दिन उनके घर पहुंचकर गाली-गलौज करते हैं तथा गांव छोड़ने की धमकी देते हैं।संगीता का कहना है कि आरोपित लोग उन्हें और उनके परिवार को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देते हैं, जिससे पूरा परिवार भय और असुरक्षा के माहौल में जीवन जीने को मजबूर है।

शैक्षिक महासंघ ने टीईटी को लेकर ज्ञापन सीएम को भेजा

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के बैनर तले शिक्षकों ने शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की है। गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर में मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा गया।महासंघ के संयोजक सत्येंद्र सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश के लाखों शिक्षकों में वर्तमान में गहरी चिंता और असुरक्षा की भावना है। भारतीय विधिक और प्रशासनिक व्यवस्था का यह स्थापित सिद्धांत है कि कोई भी नियम, अधिसूचना या नीति सामान्यतः अपने प्रवर्तन की तिथि से प्रभावी होती है। पूर्व में विधिवत संपन्न नियुक्तियों तथा अर्जित सेवा-अधिकारों पर बाद में निर्धारित पात्रता मानदंडों को लागू करना प्राकृतिक न्याय, समानता और विधिक निश्चितता के सिद्धांतों के

अनुरूप नहीं माना जाता। एनसीटीई द्वारा 23 अगस्त 2010 को टीईटी को न्यूनतम अर्हता के रूप में अधिसूचित किया गया था। इससे पूर्व, देश के विभिन्न राज्यों में लाखों शिक्षकों की नियुक्तियां उस समय लागू नियमों, योग्यता मानदंडों और चयन प्रक्रिया के अनुसार विधिवत रूप से की जा चुकी थीं। इन शिक्षकों ने वर्षों तक राष्ट्र निर्माण और शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।सर्वोच्च न्यायालय ने 29 मई 2026 को पुनर्विचार याचिकाओं का निस्तारण करते हुए अपने पूर्व निर्णय को यथावत रखा है। न्यायालय के निर्णय का सम्मान करना संवैधानिक दायित्व है। हालांकि, यह भी एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि न्यायपालिका विधि की व्याख्या करती है, जबकि जनहित में आवश्यक नीतिगत और विधायी समाधान उपलब्ध कराने का अधिकार संसद और सरकार के पास निहित है।

फोटो 04जेएनपी।

चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्या सुना

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। सिरकोनी विकास खण्ड के कादीपुर गांव में विशेष जन संपर्क एवं जन जागरूकता अभियान के तहत चैपाल लगाकर ग्रामीणों को सरकार के द्वारा किया गया विकास कार्यों के बारे में जानकारी दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक डॉक्टर हरेन्द्र सिंह ने चैपाल लगाकर सरकार के योजनाओं के बारे में भी जानकारी दिया। चैपाल में बड़ी संख्या में ग्राम पंचायत के ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे थे। पुर्व विधायक ने एक-एक कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और मौके पर मौजूद अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए। विभिन्न सरकारी योजनाओं के पात्र लाभार्थियों का रैंडम सर्वे कराया गया। सर्वे में पात्र पाए गए लोगों का मौके पर ही रजिस्ट्रेशन कराया गया। वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन,आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड और प्रधानमंत्री आवास योजना से जुड़े आवेदनों को प्राथमिकता से निपटाया गया।ग्राम पंचायत में पेयजल की समस्या ग्रामीणों ने प्रमुखता से उठाई। कई मजरों में हैंडपंप खराब होने और पाइपलाइन न पहुंचने की शिकायत की गई। विधायक ने इसे गंभीरता से लेते हुए जल निगम विभाग के अधिकारियों को जल्द से जल्द समस्या के निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में पेयजल की किल्लत बर्दाश्त नहीं की जाएगी।चैपाल में ग्राम प्रधान,लेखपाल, पंचायत सचिव,जल निगम और अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। विधायक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर शिकायत का समयबद्ध निस्तारण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।कार्यक्रम के अंत में विधायक ने ग्रामीणों से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने और जागरूक रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि चैपाल का उद्देश्य जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है।

बेटी की गुल्लक तोड़ी, घर से चुराए गहने... फिर मासूम को पड़ोसियों के पास छोड़कर प्रेमी संग भाग गई कलयुगी मां

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद से मातृत्व को कलंकित करने वाली एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां मझोला थाना इलाके में एक कलयुगी मां अपनी महज 14 महीने की मासूम तड़पती बेटी को पड़ोसियों के सहारे छोड़, घर की नकदी, जेवरात और यहां तक कि बच्ची की गुल्लक तोड़कर अपने प्रेमी संग फरार हो गई। पीड़ित पति अपनी गोद में बिलखती मासूम बच्ची को लेकर न्याय के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) के दफ्तर पहुंचा है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सर्विलांस टीम को एक्टिव कर जांच शुरू कर दी है।

यह हैरान कर देने वाला मामला मझोला थाना क्षेत्र के लाइनपार, हाईडिल कॉलोनी का है। यहां के निवासी पीड़ित आकाश कश्यप ने

एसएसपी मुरादाबाद को लिखित प्रार्थना पत्र सौंपकर आपबीती सुनाई। आकाश ने बताया कि वह लाइनपार स्थित चरण सिंह चौक के पास एक किराये के मकान में रहता है। बीते 15 जून 2026 को उसकी पत्नी दीपा ने घर से निकलते वक्त पड़ोसियों से कहा कि वह अपना आधार कार्ड ठीक कराने जा रही है। वह अपनी 1 साल 2 महीने की बेटी दृष्टि को नीचे पड़ोसियों के पास छोड़ गई थी, लेकिन उसके बाद वापस नहीं लौटी।

बेटी की गुल्लक और मां-बाप की आखिरी निशानी भी ले गई साथ

पीड़ित पति का आरोप है कि उसकी पत्नी दीपा घर में रखे सभी कीमती जेवरात और नकदी समेट ले गई है। आकाश ने शिकायत में बताया कि दीपा अलमारी में रखे चार जोड़ी पाजेब, उसके स्वर्गीय पिता की एक अंगूठी और माता के एक जोड़ी कुंडल चोरी कर ले गई। हद तो तब हो गई जब वह अपनी सवा साल की मासूम बेटी की वह गुल्लक भी तोड़कर ले गई, जिसमें परिवार ने तिनका-तिनका जोड़कर करीब 40 से 45 हजार रुपये जमा किए थे।

देवेंद्र सैनी नामक शख्स के साथ भागने का आरोप

आकाश के मुताबिक, पत्नी के लापता होने के बाद उसने हर संभावित जगह और रिश्तेदारी में उसकी तलाश की, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं मिला। बाद में छानबीन करने पर पता चला कि वह देवेंद्र सैनी नामक एक व्यक्ति के साथ फरार हुई है। आकाश का आरोप है कि दीपा से ठीक 15 मिनट पहले घर पर एक अज्ञात महिला भी आई थी, जिसके जाते ही दीपा भी पूरी प्लानिंग के साथ निकल गई। इस घटना के बाद से पीड़ित पति और उसका परिवार गहरे सदमे और आर्थिक-मानसिक परेशानी में है।

पुलिस सर्विलांस के जरिए तलाश में जुटी

मासूम बच्ची को इंसाफ दिलाने और कलयुगी मां की करतूत को लेकर पुलिस महकमा भी अलर्ट हो गया है। आला अधिकारियों ने पीड़ित पति को निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। थाना प्रभारी मझोला को आवश्यक कानूनी कार्यवाही और त्वरित जांच के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। पुलिस अब संदिग्धों के मोबाइल नंबरों को सर्विलांस पर लेकर मामले की गहराई से तफ्तीश कर रही है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि महिला के मिलने और जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी।

स्किन केयर में इन 6 खतरनाक सामग्री से रहें दूर, वरना त्वचा को हो सकता है गंभीर नुकसान

स्किन केयर में किन इंग्रीडिएंट्स से बचना चाहिए? स्किन केयर उत्पादों में स्टेरॉयड, मरकरी, हाइड्रोक्विनोन, पैराबेन्स, सल्फेट्स और अत्यधिक फ्रेगरेंस जैसे तत्वों से सावधानी बरतनी चाहिए। ये कुछ लोगों में त्वचा की जलन, एलर्जी, पिगमेंटेशन, रूखापन या अन्य समस्याओं का कारण बन सकते हैं।

आजकल ग्लोइंग और बेदाग त्वचा पाने की चाहत में लोग तरह-तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। बाजार में मिलने वाली कई क्रीम, फेस वॉश, सीरम और ब्यूटी प्रोडक्ट्स आकर्षक दावे करते हैं, लेकिन हर चमकती चीज आपकी त्वचा के लिए सुरक्षित हो, यह जरूरी नहीं है।

त्वचा विशेषज्ञों का मानना है कि कुछ ऐसे रसायन हैं जो लंबे समय तक इस्तेमाल करने पर त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। कई बार ये सामग्री त्वचा को अस्थायी रूप से चमकदार तो बना देती हैं, लेकिन बाद में स्किन थिनिंग, एलर्जी, पिगमेंटेशन, हार्मोनल असंतुलन और अन्य गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती हैं।

खासकर फेयरनेस, इंस्टेंट ग्लो और स्किन व्हाइटनिंग का दावा करने वाले उत्पादों में कुछ खतरनाक तत्व छिपे हो सकते हैं। इसलिए किसी भी स्किन केयर प्रोडक्ट को खरीदने से पहले उसकी इंग्रीडिएंट लिस्ट पढ़ना बेहद जरूरी है।

यदि आप अपनी त्वचा को स्वस्थ, सुरक्षित और लंबे समय तक खूबसूरत बनाए रखना चाहते हैं, तो इन 6 ऐसे इंग्रीडिएंट्स के बारे में जरूर जानें जिन्हें स्किन केयर में सावधानी के साथ या विशेषज्ञ की सलाह के बिना इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

स्टेरॉयड युक्त क्रीम

स्टेरॉयड से त्वरित चमक मिलती है लेकिन यह बड़ा खतरा है।

कुछ क्रीमों में स्टेरॉयड मिलाए जाते हैं जो त्वचा को अस्थायी रूप से गोरा और चमकदार दिखा सकते हैं।

लेकिन लंबे समय तक इनके उपयोग से त्वचा पतली हो सकती है।

बार-बार मुंहासे निकल सकते हैं।

चेहरे पर अनचाहे बाल उगने की समस्या भी हो सकती है।

बिना डॉक्टर की सलाह के स्टेरॉयड युक्त उत्पादों का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए।

मरकरी

मरकरी त्वचा ही नहीं, शरीर के लिए भी नुकसानदायक है।

मरकरी एक विषैला तत्व माना जाता है।

कुछ स्किन ब्राइटनिंग या व्हाइटनिंग उत्पादों में इसकी मौजूदगी पाई गई है।

इसका अत्यधिक उपयोग त्वचा का रंग असमान कर सकता है।

यह दाग-धब्बे बढ़ा सकता है।

इसका इस्तेमाल लंबे समय में किडनी तथा नर्वस सिस्टम को भी प्रभावित कर सकता है।

ज्यादातर कपल करते हैं ये 4 कॉमन गलतियां, रिश्ते में धीरे-धीरे बढ़ जाती है दरार

डाइवोर्स के बहुत सारे मामले में आपने देखा होगा कि कपल का कहना होता है वो आपसी समझ से अलग हो रहे हैं। ऐसे रिश्ते में किसी तरह का बहुत स्ट्रेस भी देखने को नहीं मिलता है। दरअसल कुछ कॉमन सी गलतियां कपल के बीच दूरी को इतना बढ़ा देती हैं को एक टाइम पर वो अलग रहने का फैसला कर लेते हैं।

पति-पत्नी का रिश्ता लाइफटाइम का वादा होता है, लेकिन कई बार ये बीच में ही टूट जाता है। हालांकि जरूरी नहीं है कि हर रिश्ते में आपसी झगड़े हो। कुछ ऐसी गलतियां हैं जो ज्यादातर कपल करते हैं। इस वजह से रिश्ते में धीरे-धीरे दरार बनने लगती है और कब ये बड़ी हो जाती है पता ही नहीं चलता है। इन आदतों की वजह से एक टाइम पर बस दो लोग साथ रह रहे होते हैं। चलिए जान लेते हैं कि रिश्ता लंबे समय तक टिका रहे और इसमें प्यार, मौज-मस्ती भी बनी रहे। इसके लिए कौन सी गलतियां नहीं करनी चाहिए।

पति-पत्नी का रिश्ता सबसे निजी होने के साथ ही बेहद करीबी होता है। दो अलग-अलग बैकग्राउंड के लोग जब एक साथ आते हैं तो उनके बीच कुछ डिसएग्रीमेंट भी होते हैं, लेकिन यही चीज अगर सही से हैंडल कर ली जाए तो रिश्ता हर दिन के साथ मजबूत होता जाता है और अगर न समझा जाए तो कपल के बीच दूरी आने लगती है। इसमें कुछ गलतियां जिम्मेदार होती हैं जो हम जाने-अनजाने करते हैं।

शांति बनाए रखने की कोशिश

सभी का अपना अलग पॉइंट होता है और इस वजह से मनमुटाव भी होना जायज है। कई बार लोग शांति बनाए रखने की कोशिश के चक्कर में टॉपिक्स पर खुलकर बात ही नहीं करते हैं। इस वजह से जरूरी मुद्दे नजरअंदाज हो जाते हैं और वो बातें मन में ही रह जाती हैं। इससे कुछ टाइम के लिए रिश्ते में लड़ाई तो नहीं होती है, लेकिन अंदर ही अंदर स्ट्रगल बना रहता है और रिश्ते में दरार आने लगती है। जरूरी है कि आप खुलकर जरूरी टॉपिक्स पर बात करें। कम्यूनिकेशन बहुत जरूरी है किसी भी रिश्ते को मजबूत बनाए रखने और ट्रांसपेरेंसी के लिए।

छोटी-छोटी चीजें इग्नोर करने लगना

आपने भी सुना होगा कि कपल अक्सर एक दूसरे से कहत नजर आते हैं कि अब वो पहले जैसे नहीं रहे। दरअसल रिश्ते में छोटी-छोटी चीजें जुड़ाव महसूस कराने के लिए बहुत जरूरी होती हैं, लेकिन एक टाइम के बाद लोग इसी को इग्नोर करने लगते हैं, जैसे दिन में पार्टनर को एक कॉल या मैसेज करना, शाम को आकर कुछ देर बैठकर बात करना, तारीफ, थैंक्स बोलना। ये सारी चीजें एक उदासीनता पैदा करती हैं।

बातों को नहीं समझने की शिकायत

ज्यादातर कपल के बीच एक सबसे कॉमन प्रॉब्लम देखी जाती है कि उनमें से कोई एक ये उम्मीद करता है कि सामने वाला खुद ही समझ जाए। हर बार ऐसी उम्मीद करना सही नहीं रहता है। अपनी भावनाओं को शेयर करना सीखें। सोशल मीडिया, फिल्मी पर्दे या सीरियल्स में ये रोमांटिक लग सकता है, लेकिन असल जिंदगी में वर्क नहीं करता है।

गुस्से में तीसरे को बात बताना

पति-पत्नी के बीच के झगड़े निजी रहना बेहद जरूरी होता है। गुस्से में आकर कई बार हम ये बातें दोस्तों या परिवार में शेयर कर देते हैं। इस वजह से भी आपके रिश्ते में दरार आ सकती है। भारतीय परिवारों में कपल्स के बीच मनमुटाव की ये सबसे आम वजहों में से एक है।

5 तरीकों से सफर का खर्च हो सकता है आधा, बजट में ऐसे करें यात्रा

यात्रा का खर्च कम कैसे किया जा सकता है? यात्रा का खर्च कम करने के लिए पहले से टिकट बुक करें, बजट-फ्रेंडली ठहराव चुनें, स्थानीय भोजन का आनंद लें, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें और यात्रा की पूरी योजना पहले से तैयार करें। इन तरीकों से ट्रैवल बजट में बड़ी बचत हो सकती है।

घूमने-फिरने का शौक लगभग हर किसी को होता है, लेकिन अक्सर लोग बढ़ते खर्चों की वजह से अपनी ट्रिप टाल देते हैं। फ्लाइट टिकट, होटल, खाने-पीने और लोकल ट्रांसपोर्ट का खर्च कई बार पूरे बजट को बिगाड़ देता है। यही कारण है कि लाखों भारतीय हर साल यात्रा का प्लान तो बनाते हैं, लेकिन खर्च के डर से उसे पूरा नहीं कर पाते।

हालांकि यात्रा को सस्ता बनाना उतना मुश्किल नहीं है जितना लोग सोचते हैं। कुछ स्मार्ट प्लानिंग और छोटी-छोटी ट्रैवल ट्रिक्स अपनाकर आप अपने सफर का खर्च काफी हद तक कम कर सकते हैं। चाहे आप हिमाचल की वादियों में घूमने जा रहे हों, राजस्थान के किलों को एक्सप्लोर करना चाहते हों या फिर दक्षिण भारत की खूबसूरत जगहों का आनंद लेना चाहते हों, सही रणनीति आपके हजारों रुपये बचा सकती है।

साल 2026 में महंगाई और बढ़ती ट्रैवल डिमांड के बीच बजट ट्रैवलिंग पहले से ज्यादा जरूरी हो गई है। अच्छी बात यह है कि कुछ आसान तरीकों को अपनाकर आप अपने ट्रैवल बजट को लगभग आधा कर सकते हैं। आइए जानते हैं वे 5 स्मार्ट तरीके जो आपकी अगली यात्रा को ज्यादा किफायती और यादगार बना सकते हैं।

फ्लाइट और टिकट बुकिंग में अपनाएं स्मार्ट तरीका

यात्रा का सबसे बड़ा खर्च अक्सर टिकट पर होता है।

यदि आप सप्ताह के बीच वाले दिनों में यात्रा करते हैं तो कई बार किराया कम मिल सकता है।

यात्रा की तारीखों में थोड़ा लचीलापन रखने और पहले से टिकट बुक करने पर भी अच्छी बचत हो सकती है।

छुट्टियों और त्योहारों के समय अचानक बुकिंग करने से बचना चाहिए क्योंकि उस दौरान किराए काफी बढ़ जाते हैं।

होटल की जगह चुनें बजट-फ्रेंडली ठहरने के विकल्प

महंगे होटलों की बजाय गेस्ट हाउस, होमस्टे और छोटे लॉज कई बार बेहतर और सस्ते विकल्प साबित होते हैं।

यदि आप किसी शहर में कई दिनों तक रुकने वाले हैं, तो लंबी अवधि के ठहराव पर मिलने वाले डिस्काउंट का लाभ उठाया जा सकता है।

यात्रा से पहले विभिन्न विकल्पों की तुलना करना हमेशा फायदेमंद रहता है।

खाने-पीने में बचाएं हजारों रुपये

भारत में लगभग हर शहर में स्थानीय भोजन बेहद स्वादिष्ट और किफायती होता है।

पर्यटक इलाकों के महंगे रेस्तरां की बजाय स्थानीय बाजारों और लोकप्रिय खाने की जगहों को चुनने से खर्च काफी कम हो सकता है।

साथ ही यात्रा के दौरान पानी की बोतल और हल्के स्नैक्स साथ रखने से बार-बार अतिरिक्त खर्च से बचा जा सकता है।

स्थानीय परिवहन का सही इस्तेमाल करें

टैक्सी और निजी वाहन कई बार यात्रा बजट का बड़ा हिस्सा खा जाते हैं।

इसके बजाय मेट्रो, बस, लोकल ट्रेन या साझा परिवहन सेवाओं का उपयोग करना अधिक किफायती हो सकता है।

कई शहरों में दैनिक और साप्ताहिक पास भी उपलब्ध होते हैं, जिससे बार-बार टिकट खरीदने की जरूरत नहीं पड़ती।

पैदल घूमना न सिर्फ पैसे बचाता है बल्कि शहर को करीब से जानने का मौका भी देता है।

यात्रा से पहले करें सही प्लानिंग

बजट ट्रैवल का सबसे बड़ा नियम है, जितनी बेहतर प्लानिंग, उतनी ज्यादा बचत।

यात्रा से पहले बजट तय करें, संभावित खर्चों की सूची बनाएं और अनावश्यक खर्चों को पहचानें।

ऑफ-सीजन में यात्रा करने से होटल और टिकट दोनों सस्ते मिल सकते हैं।

सही तैयारी आपकी पूरी ट्रिप का खर्च काफी हद तक कम कर सकती है।

चीन को पछाड़ स्टील की दुनिया का नया बॉस बनेगा भारत! मेक इन इंडिया की दिखेगी ताकत

स्टील की ग्लोबल डिमांड चीन से हटकर भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया की ओर बढ़ रही है। भारत में स्टील की खपत कम है, जिससे ग्रोथ की काफी संभावनाएं हैं। चीन में प्रॉपर्टी-बेस्ड तेजी के विपरीत, भारत में मांग इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग और शहरी विकास से आएगी। यह ग्रोथ धीरे-धीरे होगा और इस पर काम पूरा करने की चुनौतियों और पर्यावरण के अनुकूल उत्पादन पर ध्यान देने का असर पड़ेगा।

दो दशकों से ज्यादा समय तक, चीन में तेजी से हुए शहरीकरण और कंस्ट्रक्शन बूम ने ग्लोबल स्टील इंडस्ट्री की किस्मत तय की। आज, जब चीन में स्टील की मांग धीमी हो रही है और माइनिंग करने वाली कंपनियां नए ग्रोथ मार्केट की तलाश कर रही हैं, तो ध्यान तेजी से भारत की ओर बढ़ रहा है। बीएचपी और रियो टिंटो के अधिकारियों ने इस हफ्ते भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया को स्टील की मांग में बढ़ोतरी के अगले बड़े केंद्र के तौर पर बताया। उनका तर्क है कि इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च, औद्योगीकरण और शहरीकरण से चीन में कम खपत की भरपाई करने में मदद मिल सकती है।

भारत के स्टील मंत्रालय के तहत जॉइंट प्लांट कमिटी के आंकड़ों के मुताबिक, 2024-25 में भारतीयों ने प्रति व्यक्ति सिर्फ 108 किलोग्राम फिनिश्ड स्टील का इस्तेमाल किया। यह चीन के 601 किलोग्राम का 5वां हिस्सा और ग्लोबल औसत 215 किलोग्राम का लगभग आधा है। यह अंतर बताता है कि क्यों ग्लोबल माइनिंग और स्टील बनाने वाली कंपनियां भारत को इंडस्ट्री के सबसे अहम ग्रोथ मार्केट में से एक मानती हैं। अगर भारत इंडस्ट्री की अगली ग्रोथ स्टोरी बनने के लिए तैयार है, तो इसकी संभावना कम है कि वह उसी रास्ते पर चलेगा।

शुरुआत का एक अलग तरीका

भारत को लेकर उम्मीद एक सीधी-सी सच्चाई पर टिकी है: इतनी बड़ी इकोनॉमी होने के बावजूद यहां स्टील की खपत काफी कम है। स्टील मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने पिछले साल लगभग 165 मिलियन टन क्रूड स्टील का उत्पादन किया और आने वाले दशकों में अपनी क्षमता को तेजी से बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। प्रति व्यक्ति स्टील की खपत चीन में कंस्ट्रक्शन के पीक सालों में देखी गई खपत का एक छोटा सा हिस्सा है। इससे पता चलता है कि जैसे-जैसे लोगों की इनकम बढ़ेगी और शहरीकरण तेजी से होगा, ग्रोथ की काफी गुंजाइश है।

पीडब्ल्यूसी इंडिया में पार्टनर और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर लीडर विनोद कुमार ने कहा कि भारत और ASEAN स्टील की मांग में बढ़ोतरी के अगले इंजन के तौर पर उभरेंगे। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि इस ग्रोथ को चीन के ऐतिहासिक विस्तार की नकल के बजाय धीरे-धीरे होने वाली बढ़ोतरी के तौर पर देखा जाना चाहिए। 2000 के दशक की शुरुआत में चीन के उलट, भारत किसी ऐसे प्रॉपर्टी बूम से नहीं गुजर रहा है जो जेनरेशन में एक बार होता है। इसके

बजाय, स्टील की मांग इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, मैन्युफैक्चरिंग के विस्तार और शहरी विकास के मिले-जुले असर से बढ़ रही है।

इंफ्रास्ट्रक्चर स्टील का सबसे बड़ा कंज्यूमर बना हुआ है और मांग का लगभग 60 फीसदी-65 फीसदी हिस्सा इसी से आता है। वहीं, मैन्युफैक्चरिंग भी एक अहम कंट्रीब्यूटर के तौर पर उभर रही है क्योंकि कंपनियां सरकार के सपोर्ट वाले इंडस्ट्रियल प्रोग्राम के तहत अपना प्रोडक्शन बढ़ा रही हैं।

काम को पूरा करने की चुनौती

चीन का स्टील के बड़े पावरहाउस के तौर पर उभरना, इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट्स के लिए जमीन, कैपिटल और लेबर को तेजी से जुटाने की उसकी क्षमता पर टिका था। भारत की ग्रोथ की कहानी शायद धीरे-धीरे आगे बढ़ेगी। बड़े मैन्युफैक्चरिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में अक्सर जमीन अधिग्रहण, पर्यावरण मंजूरी और स्थानीय विरोध की वजह से देरी होती है। प्रॉपर्टी का मालिकाना हक बंटा हो सकता है, राज्यों में नियम अलग-अलग होते हैं और इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट्स को मंजूरी मिलने से लेकर उन्हें पूरा करने में अक्सर कई साल लग जाते हैं।

ये चुनौतियां खासकर पूर्वी भारत में दिखती हैं, जहां देश के सबसे बड़े स्टील-प्रोड्यूसिंग इलाके और मिनरल रिजर्व हैं। इंडस्ट्री के अधिकारियों का कहना है कि ये रुकावटें प्रोजेक्ट्स को रोकती नहीं हैं, लेकिन अक्सर इन्वेस्टमेंट साइकल को लंबा कर देती हैं, जिससे चीन अपने इंडस्ट्रियल एक्सपेंशन के दौरान काफी हद तक बच गया था। इसका मतलब है कि भारत की स्टील ग्रोथ आखिरकार ज्यादा टिकाऊ हो सकती है, लेकिन उतनी तेजी से नहीं बढ़ेगी।

ब्लूमबर्ग से बात करते हुए मुंबई स्थित कंसल्टेंसी मैकिन्से एंड कंपनी के सीनियर पार्टनर रजत गुप्ता ने कहा कि चीन में इन्वेस्टमेंट सरकारी कंपनियों ने किया था, जिन्होंने तेजी से कैपेसिटी बढ़ाई उन्होंने आगे कहा कि भारत में यह काफी हद तक प्राइवेट सेक्टर पर आधारित है।

अपार्टमेंट नहीं, फैक्ट्रियां बनाना

शायद सबसे बड़ा अंतर इस बात में है कि स्टील का इस्तेमाल कहां होगा। चीन में स्टील की भारी मांग मुख्य रूप से रिहायशी निर्माण और प्रॉपर्टी डेवलपमेंट से जुड़ी थी। अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स, कमर्शियल रियल एस्टेट और शहर बनाने वाले प्रोजेक्ट्स ने स्टील प्रोडक्ट्स की भारी मांग पैदा की। भारत की ग्रोथ तेजी से मैन्युफैक्चरिंग के लक्ष्यों से आकार ले रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की "मेक इन इंडिया" पहल का मकसद देश को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनाना है, जिससे ऑटोमोबाइल, इंजीनियरिंग सामान, इलेक्ट्रॉनिक्स और इंडस्ट्रियल इक्विपमेंट में इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा मिले।

सरकार का इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर भी उतना ही अहम है। पिछले दशक में कैपिटल एक्सपेंडिचर के लिए फंड लगातार बढ़ा है, जिससे हाईवे, पोर्ट, एयरपोर्ट, फ्रेट कॉरिडोर और हाई-स्पीड रेल प्रोजेक्ट्स को फंड मिल रहा है। नतीजा यह है कि स्टील की मांग का पैटर्न चीन के मुकाबले ज्यादा डायवर्सिफाइड होगा।

कच्चे माल की चुनौती

भारत के स्टील से जुड़े टारगेट्स के सामने एक ऐसी चुनौती है जिसका सामना चीन को ज्यादा नहीं करना पड़ा। देश में आयरन ओर (लौह अयस्क) का भंडार तो बहुत है, लेकिन यह ब्लास्ट फर्नेस में स्टील बनाने के लिए जरूरी मेटालर्जिकल कोल (कोयला) के लिए काफी हद तक इंपोर्ट पर निर्भर है। भले ही भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्टील उत्पादक देश हो, लेकिन चीन के साथ इसका अंतर बहुत ज़्यादा है। वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, 2024 में भारत ने 149।4 मिलियन टन क्रूड स्टील का उत्पादन किया, जबकि चीन ने 1,005।1 मिलियन टन का उत्पादन किया।

दूसरे शब्दों में, पिछले साल चीन ने भारत के मुकाबले लगभग सात गुना ज़्यादा स्टील का उत्पादन किया। तीसरे और चौथे सबसे बड़े उत्पादक देश जापान और अमेरिका ने क्रमशः 84 मिलियन टन और 79।5 मिलियन टन का उत्पादन किया। इससे पता चलता है कि भारत ग्लोबल स्टील उत्पादन में एक मज़बूत दूसरे स्तंभ के तौर पर उभरा है, भले ही उत्पादन के पैमाने में वह चीन से अभी भी काफी पीछे है।

तैयार स्टील का आयात 2020-21 में 4।75 मिलियन टन से बढ़कर 2024-25 में 9।55 मिलियन टन हो गया, जो दोगुने से भी ज्यादा है। वहीं, इसी दौरान निर्यात 10।78 मिलियन टन से घटकर 4।86 मिलियन टन रह गया। जिसकी वजह से 2024-25 में भारत 4।69 मिलियन टन तैयार स्टील का नेट इंपोर्टर बन गया, जो इस अवधि में सबसे बड़ा व्यापार घाटा था। हालांकि, अप्रैल-जुलाई 2025-26 के शुरुआती आंकड़ों में थोड़ी सुधार की स्थिति दिखी है। इसमें 1।70 मिलियन टन का निर्यात 1।67 मिलियन टन के आयात से थोड़ा ज़्यादा रहा, जिससे भारत एक बार फिर मामूली नेट निर्यातक बन गया।

जैसे-जैसे स्टील का उत्पादन बढ़ रहा है, भारतीय कंपनियां सप्लाई सुरक्षित करने के लिए विदेशों का रुख कर रही हैं। ऑस्ट्रेलिया के साथ-साथ अमेरिका, कनाडा, मंगोलिया, रूस और मोजाम्बिक जैसे नए सप्लायर भी अहम स्रोत बने हुए हैं। कच्चे माल की तलाश और जरूरी होती जा रही है क्योंकि सरकार 2047 तक 500 मिलियन टन स्टील उत्पादन का अपना लॉन्ग-टर्म लक्ष्य हासिल करने की दिशा में काम कर रही है। साथ ही, अयस्क की घटती गुणवत्ता, खदानों के लिए ज्यादा प्रीमियम और नीलामी से जुड़ी माइनिंग कॉस्ट घरेलू उत्पादकों पर अतिरिक्त दबाव डाल सकती है। चीन के उलट, जिसने मांग में भारी उछाल के दौरान विदेशों में मिनरल एसेट्स हासिल करने में कई दशक लगाए, भारत सप्लाई चेन बनाने के साथ-साथ प्रोडक्शन भी बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

कार्बन के नजरिए से विकास

एक और बड़ा फर्क समय का है। चीन ने अपना ज्यादातर स्टील उद्योग तब खड़ा किया था जब जलवायु से जुड़ी चिंताएं मुख्य नीतिगत मुद्दा नहीं बनी थीं। भारत के पास यह सुविधा नहीं है। देश के स्टील बनाने वाली कंपनियों से कहा जा रहा है कि वे उत्पादन बढ़ाएं और साथ ही उत्सर्जन कम करें। रॉयटर्स द्वारा देखी गई सरकार की एक ड्राफ्ट पॉलिसी के अनुसार, भारत की योजना है कि अगले दशक के मिड तक स्टील प्रोडक्शन से होने वाले कार्बन उत्सर्जन को मौजूदा लेवल (लगभग 2।65 टन) से घटाकर प्रति टन तैयार स्टील पर लगभग 2 टन कार्बन डाइऑक्साइड कर दिया जाए।

यूरोपीय यूनियन के 'कार्बन बॉर्डर टैरिफ' के बाद यह दबाव और बढ़ गया है। यह टैरिफ ज्यादा कार्बन उत्सर्जन वाले प्रोडक्ट के इंपोर्ट पर शुल्क लगाता है। ऐसे में भविष्य के विकास में स्क्रैप स्टील, गैस-बेस्ड स्टील निर्माण और साफ-सुथरी प्रोडक्शन तकनीकों का ज्यादा इस्तेमाल होने की उम्मीद है। असल में, भारत एक बड़ा स्टील उद्योग बनाने के साथ-साथ उसे ज़्यादा पर्यावरण-अनुकूल (ग्रीनर) बनाने की भी कोशिश कर रहा है।

कोई विकल्प नहीं, बल्कि एक नया अध्याय

BHP और रियो टिंटो जैसी माइनिंग कंपनियों के लिए, चीन के मैच्योर होने के साथ-साथ भारत का उभार भविष्य की माँग का एक अहम स्रोत बन रहा है। फिर भी, एनालिस्ट भारत को चीन का सीधा विकल्प मानने के प्रति आगाह करते हैं। क्रिसिल इंटेलिजेंस के डायरेक्टर सेहुल भट्ट ने ईटी की रिपोर्ट में कहा कि चीन की हिस्सेदारी इतनी बड़ी है कि वह ग्लोबल डिमांड को नीचे खींच सकती है, क्योंकि भारत और अन्य एशियाई देशों से मांग में तेजी से इसकी भरपाई नहीं की जा सकती। इसके बावजूद, उद्योग को कोई खास विकल्प नहीं दिखता।

चीन के स्टील-बेस्ड विस्तार का दौर अब ढलान पर है। मांग में बढ़ोतरी की अगली लहर का ज्यादातर हिस्सा भारत से ही आएगा। लेकिन देश का यह उभार प्रॉपर्टी के बाजार में भारी तेजी के बजाय मैन्युफैक्चरिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर, संसाधन सुरक्षा और डीकार्बोनाइजेशन (कार्बन उत्सर्जन कम करने) से तय होगा। इससे भारत की स्टील की कहानी चीन की कहानी का दोहराव नहीं, बल्कि ग्लोबल स्टील उद्योग के विकास में एक बिल्कुल अलग अध्याय बन जाती है।

अमेरिका और ब्राजील में फिर बढ़ी तनातनी! चुनावों में दखल न दें... राष्ट्रपति लूला की ट्रंप को चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच समझौता हो गया है और इस समझौते के साथ ही खाड़ी क्षेत्र में बना तनाव फिलहाल के लिए खत्म हो गया है। लेकिन अब अमेरिका के पड़ोसी मुल्क ब्राजील ने भी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सख्त लहजे में आगाह किया है। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने ट्रंप को चेतावनी दी कि वे ब्राजील के अक्टूबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में किसी तरह की दखलंदाजी न करें।

लूला का यह बयान ट्रंप की उस प्रतिक्रिया के बाद आया है जब उन्होंने ब्राजील के राष्ट्रपति के राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ न्यायिक कार्रवाई को लेकर ब्राजील की आलोचना की थी। दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के बीच नई तल्खी

अमेरिका और ब्राजील के बीच बढ़ते तनावपूर्ण हालात को दिखाती हैं। ट्रंप प्रशासन ने इस दक्षिण अमेरिकी देश पर और टैरिफ लगाने का प्रस्ताव दिया था और हाल ही में 2 ड्रग ट्रैफिकिंग गुट को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया था, जबकि लूला ने इसका जमकर विरोध किया।

तख्तापलट की कोशिश करने के मामले में दोषी

राष्ट्रपति ट्रंप ने पिछले साल अपने सहयोगी और पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के खिलाफ "विच-हंट ट्रायल" (राजनीतिक बदले की भावना से की गई कार्रवाई) पर नाराजगी जताते हुए ब्राजील पर टैरिफ लगा दिया था, तब से लूला की ओर से ब्राजील की संप्रभुता को लेकर कई बार बचाव किया गया।लूला ने सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एलेक्जेंडर डी मोरेस पर अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के बारे में भी शिकायत की है। ट्रंप प्रशासन का आरोप था कि मोरेस ने बोल्सोनारो के खिलाफ केस चलाने को लेकर राजनीतिक रूप से प्रेरित भूमिका निभाई थी। साल 2022 के चुनाव में लूला से हारने के बाद सत्ता में बने रहने के लिए तख्तापलट की कोशिश करने के मामले में दोषी ठहराया गया था।

ब्राजील 'राजनीतिक रूप से खतरनाक': ट्रंप

ट्रंप ने कल बुधवार को कहा था कि ब्राजील "राजनीतिक रूप से खतरनाक" हो गया है और सरकार "बोल्सोनारो जूनियर" को गिरफ्तार करना चाहती है, जो "चुनाव में अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे"। इससे पहले ब्राज़ील के सुप्रीम कोर्ट ने 2 दिन पहले मंगलवार को बोल्सोनारो के बेटे और पूर्व सांसद एडुआर्डो बोल्सोनारो को उनके पिता के तख्तापलट के केस से जुड़े दबाव बनाने के मामले में दोषी ठहराया और उन्हें 4 साल दो 2 महीने की जेल की सजा सुनाई। हालांकि, चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करने की बात से यह संकेत मिलता है कि राष्ट्रपति ट्रंप शायद बोल्सोनारो के सबसे बड़े बेटे, सीनेटर फ्लेवियो बोल्सोनारो की बात कर रहे थे, या उनकी भी बात कर रहे थे, जो राष्ट्रपति चुनाव में लूला के खिलाफ मैदान में चुनौती पेश कर रहे हैं। फ्लेवियो को अभी गिरफ्तारी का सामना नहीं करना पड़ा है।

ट्रंप ब्राजील को अच्छी तरह नहीं जानते : लूला

एडुआर्डो बोल्सोनारो को तब दोषी ठहराया गया जब सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि उन्होंने अपने पिता के तख्तापलट के केस में गैर-कानूनी तरीके से दखल दिया था। उन्होंने अमेरिकी सरकार से लॉबिंग करके ब्राजीलियाई अधिकारियों को केस रोकने की धमकी देने के लिए कहा था।फ्रांस के एवियन-लेस-बेन्स में दुनिया के बड़े देशों के नेताओं के G7 शिखर सम्मेलन के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक पत्रकार ने लूला को ट्रंप की बातें पढ़कर सुनाईं। लूला ने कहा कि इससे पता चलता है कि ट्रंप "ब्राजील को अच्छी तरह नहीं जानते"।

ब्राजील का चुनाव ब्राजील का अपना मामला : लूला

राष्ट्रपति लूला ने कहा, "अगर वह बोल्सोनारो परिवार के साथ अपने संबंधों के जरिए ब्राजील को जानते हैं, तो वह ब्राजील को नहीं जानते।" वे बोल्सोनारो (पिता, पुत्र, पोते) को पसंद करते रह सकते हैं। यह मेरी समस्या नहीं, उनकी है। लेकिन ब्राजील के चुनावों में दखल न दें, क्योंकि ब्राजील का चुनाव ब्राजील का अपना मामला है।"

एडुआर्डो और फ्लेवियो बोल्सोनारो ने हाल ही में वाशिंगटन में अमेरिकी अधिकारियों से मुलाकात की, जिनमें ट्रंप भी शामिल थे। इसके कुछ ही समय बाद, ट्रंप प्रशासन ने ब्राजील के सबसे बड़े ड्रग ट्रैफेकिंग गुट (फर्स्ट कमांड कैपिटल और रेड कमांड) को विदेशी आतंकवादी संगठनों के रूप में वर्गीकृत किया। फिर अमेरिकी सरकार ने ब्राज़ील से होने वाले आयात पर 25% का नया टैरिफ लगाने का प्रस्ताव भी दिया था, यह दावा करते हुए कि दुनिया की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अनुचित व्यापारिक तौर-तरीके अपनाती है।

ईरान डील पर साइन, अब होर्मुज में इन जहाजों को वीआईपी पास देगा अमेरिका...बदले में वसूलेगा पैसा

तेल अवीव, एजेंसी। होर्मुज में ईरान से डील के बाद अमेरिका ने फारस की खाड़ी में फंसे हुए जहाजों को निकालने की कवायद शुरू कर दी है। फारस की खाड़ी में 500 जहाज और 200 तेल टैंकर फंसे हुए हैं। इन जहाजों को सुरक्षित निकालने के लिए अमेरिका ने वीआईपी पास की व्यवस्था की है। अमेरिका ने इस पास के बारे में सभी जहाज मालिकों को जानकारी दे दी है।

पॉलिटिको पत्रिका के मुताबिक वीआईपी पास रखने वाले जहाजों को अमेरिकी सैनिक सुरक्षित होर्मुज से निकालेंगे। होर्मुज के बाहर अमेरिका ने 10 हजार सैनिकों की तैनाती कर रखी है।

वीआईपी पास की व्यवस्था क्यों?

1- अमेरिका का मानना है कि होर्मुज के पूरी तरह से खुलने में 2

महीने से ज्यादा का वक्त लग सकता है। पेंटागन ने कुछ महीने पहले रिपोर्ट दी थी। इसमें कहा गया था कि होर्मुज के नीचे हर एक मीटर पर 1 किलोग्राम बारूद बिछी हैं। इसे क्लीन करने में कम से कम 6 महीने का वक्त लगेगा। अमेरिका जहाज मालिकों को यही डर दिखा रहा है।

2- होर्मुज से जहाज को निकालने के लिए बीमा कंपनियों ने बीमा की राशि काफी ज्यादा बढ़ा दी है। अमेरिका का कहना है कि उससे सुरक्षित तरीके से वीआईपी पास के जरिए उसके सैनिक जहाजों को निकाल देंगे। अमेरिका इसके जरिए कुछ पैसा भी कमाना चाहता है।

3- अमेरिका वीआईपी पास के जरिए होर्मुज में अपने सैनिकों को तैनात रखना चाहता है। उसकी कोशिश यह है कि होर्मुज डील से ईरान मुकर न जाए। बुधवार को पेरिस में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान समझौते से मुकरता है तो हम उस पर बम गिराएंगे।

4- ईरान पहले से होर्मुज में पर्यावरण के नाम पर पैसे वसूलने की तैयारी कर रहा है। अमेरिका की कोशिश इस टैक्स व्यवस्था को कुंद करने की है। अमेरिका ने साफ कहा है कि होर्मुज में ईरान किसी भी जहाज से कोई पैसा नहीं वसूल सकता है।

डील में होर्मुज को लेकर क्या कहा गया है?

अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध को अस्थायी रूप से समाप्त करने के लिए 14 बिंदुओं वाला एक अस्थायी समझौता हुआ है। इस समझौते में होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की बात कही गई है। इसके तहत ईरान होर्मुज को पूरी तरह खोलेगा, जबकि ओमान की खाड़ी में तैनात अमेरिकी बल भी नाकाबंदी हटाएंगे।

होर्मुज जलडमरूमध्य को फारस की खाड़ी का प्रवेश द्वार माना जाता है। इसी मार्ग से दुनिया भर में लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस की आपूर्ति होती है। कतर, इराक, यूएई, सऊदी अरब और कुवैत जैसे देश इसी रास्ते से तेल का निर्यात करते हैं।

सऊदी अरब ने वर्क वीजा को लेकर बदले नियम, भारतीय कामगारों पर पड़ेगा असर

सऊदी, एजेंसी। सऊदी अरब में वर्क वीजा को लेकर अहम बदलाव किया गया है। देश के मानव संसाधन और सामाजिक विकास मंत्रालय के 'किवा' (Qiwa) प्लेटफॉर्म ने बताया कि सऊदी अरब ने वर्क परमिट में बड़ा बदलाव करते हुए नई शुरू हुई कंपनियों के लिए तुरंत मिलने वाले वर्क वीजा की अधिकतम संख्या घटाकर 5 कर दी है। यह कदम भर्ती प्रक्रिया को व्यवस्थित करने और लेबर मार्केट के नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

'Qiwa' ने बताया कि जो कंपनियां 2 साल से कम समय से चल रही हैं, वे ज्यादा से ज्यादा 5 इंस्टेंट वीजा के लिए ही पात्र होंगी। जबकि 2 साल से अधिक पुरानी कंपनियों के लिए यह सीमा 50 वीज़ा तक हो सकती है, चाहे वे एक ही बार में आवेदन कर लें या एक ही हफ्ते में कई बार आवेदन करें। उसने आगे बताया कि 'एस्टेब्लिशमेंट प्रोग्राम' में शामिल और जरूरी शर्तें पूरी करने वाली कंपनियों को शुरुआत में 2 ही वीजा मिलेंगे। 'सऊदीकरण' की दरें बढ़ाने की सूरत में उन्हें और वीजा मिल सकेंगे।

हर कर्मचारी का रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य

'Qiwa' ने विदेश से गैर-सऊदी कर्मचारियों को भर्ती करने को लेकर 10 तरह की शर्तें भी तैयार की हैं। इन 10 शर्तों में शामिल हैं- बिजनेस का स्टेटस 'एक्टिव' होने के साथ-साथ कर्मचारियों के पास वैध वर्क परमिट और वैध कमर्शियल रजिस्ट्रेशन भी होना चाहिए। इसके अलावा 'मीडियम ग्रीन' कैटेगरी या उससे ऊपर की कैटेगरी में रहकर सऊदीकरण की शर्तें पूरी करना होगा। साथ ही 'वेज प्रोटेक्शन सिस्टम' (वेतन सुरक्षा प्रणाली) का पालन करना, और 'अब्शेर' या 'मुकीम' जैसे सरकारी प्लेटफ़ॉर्म पर पर्याप्त बैलेंस बनाए रखना भी अनिवार्य होगा। इसके अलावा कुछ अन्य शर्तों भी रखी गई है, 10 या उससे अधिक कर्मचारियों वाली कंपनियों के लिए सालाना 'सेल्फ-असेसमेंट' करने के नियमों का पालन करना होगा। 'Qiwa' प्लेटफ़ॉर्म पर कर्मचारियों के काम करने की जगह का रजिस्ट्रेशन कराना होगा तो कर्मचारियों की उम्र कम से कम 18 साल होनी चाहिए। इसी तरह वीजा के प्रकार के आधार पर भर्ती कोटा का पर्याप्त बैलेंस बनाए रखना होगा।

नए बदलाव से क्या पड़ेगा असर

कहा जा रहा है कि इस नई व्यवस्था के आने से भारतीय कंपनियों और भारतीय कर्मचारियों पर असर पड़ सकता है। सऊदी अरब में विदेशी कर्मचारियों में बड़ी संख्या भारतीयों की है। अब नई कंपनियों के लिए तुरंत जारी होने वाले वीजी की संख्या सीमित कर दिए जाने से नई कंपनियों या स्टार्टअप्स में शामिल होने के इच्छुक प्रोफेशनल्स की भर्ती की प्रक्रिया धीमी हो जाएगी। यही नहीं प्रोफेशनल्स अब इन नई कंपनियों के साथ काम करने की जगह स्थापित यानी 2 साल से अधिक पुरानी कंपनियों को प्राथमिकता दे सकते हैं। पुरानी कंपनियों के पास वीजा कोटा अधिक होता है और वे 50 तक वीजा अप्लाई कर सकती हैं।

दिल्ली दहलाने की आईएसआई साजिश नाकाम, टीटीएच मॉड्यूल के 8 सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के इस्लामाबाद में बना कॉल सेंटर, जिसके जरिए दिल्ली को दहलाने की साजिश हो रही है। पाकिस्तान की ISI से जुड़े हैंडलर शहजाद भट्टी के नेटवर्क से जुड़े 8 सदस्यीय आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया गया है। यहां पहले 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। अब 5 और आरोपियों को अरेस्ट कर लिया गया है। आरोपियों को दिल्ली और आसपास के राज्यों में पुलिसकर्मियों को निशाना बनाने का काम सौंपा गया था। आरोपियों को ISI समर्थित कथित आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान (टीटीएच) का प्रचार करने के निर्देश दिए गए थे।

दिल्ली-NCR में TTH के समर्थन में ग्रैफिटी (दीवारों पर लिखावट) और पोस्टर लगाने का काम किया जा रहा था। TTH ने हाल ही में पंजाब के अमृतसर (मजीठा) में ASI की हत्या की जिम्मेदारी लेने का दावा किया था। पुलिस ने 5 अवैध हथियार और 10 जिंदा कारतूस बरामद किए। वहीं, शहजाद भट्टी नेटवर्क के सदस्य आबिद जट्ट के पोस्टर और अन्य आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद हुई। यहां पुलिसकर्मियों की रेकी और उन्हें धमकाने वाले वीडियो भी मिले हैं।

सोहेल (फरीदाबाद, हरियाणा) ने TTH के समर्थन में दिल्ली और फरीदाबाद में ग्रैफिटी बनाई। वीडियो बनाकर पाकिस्तान के हैंडलर को भेजे। उन्हें इस काम के लिए 5,000 रुपये मिले। पहले भी कई आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। सोनू मीणा (घिटोरनी, दिल्ली) नेटवर्क के लिए हथियार जुटाने और फंडिंग करने का काम करता था। उसके पास से 3 पिस्तौल और कारतूस बरामद हुए। सोहेल को 5,000 रुपये भेजे थे। सचिन कुमार मीणा (दौसा, राजस्थान) सोनू का सहयोगी था।

उसके पास से 2 पिस्तौल और कारतूस बरामद हुए। मोहम्मद कैफ (नूंह/मेवात, हरियाणा), पाकिस्तान स्थित नेटवर्क के सदस्यों के संपर्क में था। पुलिसकर्मियों की हत्या, पुलिस थानों और सुरक्षा प्रतिष्ठानों की रेकी तथा युवाओं की भर्ती का काम सौंपा गया था। आबिद जट्ट के पोस्टर लगाने के निर्देश मिले थे। मोहम्मद रिहान (मेरठ, उत्तर प्रदेश) ने मेरठ में आबिद जट्ट के पोस्टर लगाए। पुलिसकर्मियों पर फायरिंग करने के लिए 3 लाख रुपये का लालच दिया गया था। टीटीएच की ग्रैफिटी बनाने और सुरक्षा प्रतिष्ठानों की रेकी करने का काम भी सौंपा गया था।

इस मामले में पहले 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका था। सोयब (अमरोहा, यूपी) ने पुलिसकर्मियों को मारने की धमकी वाला वीडियो बनाकर हैंडलर को भेजा है। एक देसी पिस्तौल और 2 कारतूस बरामद हुए हैं। अनमोल राय उर्फ अन्नू (निवाड़ी, मध्य प्रदेश) आबिद जट्ट के पोस्टर लगाने का काम करता था। पुलिसकर्मियों पर हमला करने के निर्देश मिले थे। रवि कश्यप (अमरोहा, यूपी) ने हथियार लहराते हुए पुलिसकर्मियों को धमकाने का वीडियो बनाया था।

'अपमान बर्दाश्त नहीं हुआ तो पार्टियां तोड़ने लगे', शिवसेना यूबीटी में टूट पर क्यों भड़के जयराम रमेश

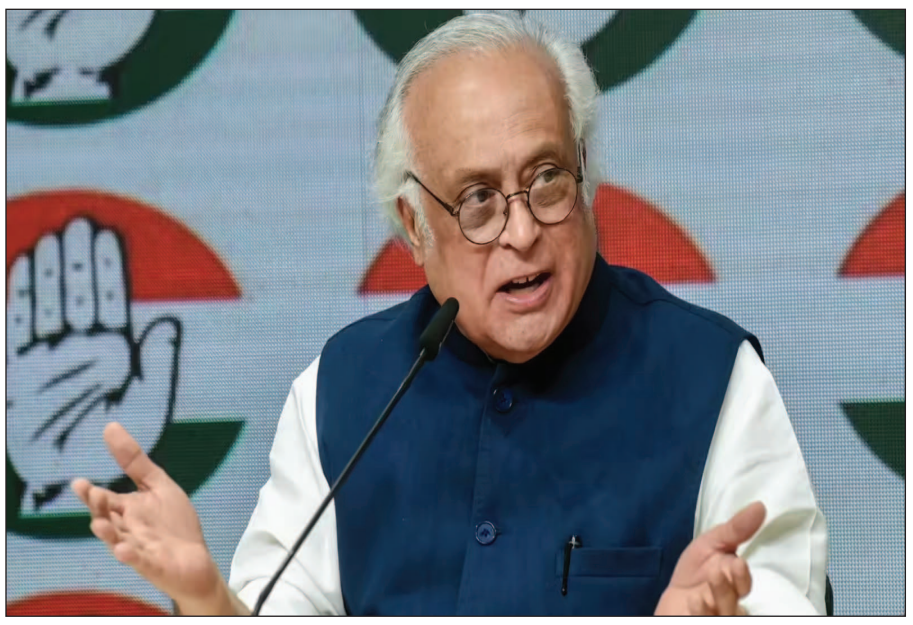

नई दिल्ली, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस (TMC) के 20 सांसदों के पार्टी छोड़ने के बाद अब उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना (UBT) के 6 सांसद बागी हो गए हैं। इन सियासी हलचलों के बीच कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा है।

जयराम रमेश ने कहा कि घटनाक्रम को समझिए। 17 अप्रैल 2026 को लोकसभा में गृह मंत्री को अपमान का सामना करना पड़ा था। तब संविधान संशोधन विधेयक पारित नहीं हो सका। उन्हें (मोदी सरकार) सदन में 2/3 बहुमत नहीं मिल पाया था। तमाम कोशिशों के बावजूद गृह मंत्री को 2/3 बहुमत नहीं मिला। इससे गृह मंत्री और प्रधानमंत्री बहुत नाराज हुए और अब वे अलग-अलग पार्टियों को तोड़ने में लगे हुए हैं।

जयराम ने बताया NDA का नया 'फुल फॉर्म'

कांग्रेस के सीनियर नेता ने आगे कहा कि वह पूरे भरोसे के साथ कह सकते हैं कि उन्हें (NDA) 2/3 बहुमत नहीं मिलेगा। यह विपक्ष का मनोबल गिराने के लिए किया जा रहा है। यह संविधान और हमारे लोकतंत्र पर हमला है। सरदार पटेल के पद पर रहते हुए, मौजूदा गृह मंत्री ऐसी राजनीति कर रहे हैं। यह 'नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस' नहीं, बल्कि 'नेशनल डिफेक्टर अलायंस' है।

पार्टी के संपर्क में होने का भी किया दावा

बता दें कि शिवसेना (UBT) ने अपने सांसदों के लिए व्हिप जारी किया था। सभी सांसदों की आज (18 जून) की सुबह दिल्ली में पार्टी सांसदों की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई थी। शिवसेना यूबीटी ने दावा किया था कि जिन नेताओं के नाम पार्टी छोड़ने की अटकलों में सामने आ रहे हैं, उनमें से कुछ नेता हाल तक पार्टी नेतृत्व के संपर्क में थे। नागेश पाटिल आष्टीकर मंगलवार की शाम तक पार्टी नेताओं के संपर्क में थे और संजय देशमुख भी बातचीत कर रहे थे।

सस्पेंस, कॉमेडी और कन्फ्यूजन से भरपूर होगी प्रीतम एंड पेड्रो, राजकुमार हिरानी की नई सीरीज का टीजर रिलीज

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इन दिनों अलग-अलग तरह की कहानियां दर्शकों को देखने को मिल रही हैं। अब एक नई सीरीज जल्द दर्शकों के बीच आने वाली है, जिसका नाम है प्रीतम एंड पेड्रो। इस सीरीज का टीजर रिलीज कर दिया गया है, जिसने आते ही लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। खास बात यह है कि मशहूर फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी का यह ओटीटी दुनिया में पहला बड़ा प्रोडक्शन है।

टीजर में कॉमेडी के साथ रहस्य और कन्फ्यूजन का ऐसा मिश्रण दिखाया गया है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। टीजर की शुरुआत एक ऐसी दुनिया से होती है, जहां सब कुछ थोड़ा अलग और मजेदार नजर आता है। कहानी में दो ऐसे किरदार दिखाई देते हैं जो एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं, लेकिन हालात उन्हें साथ ले आते हैं।

यही वजह है कि उनके बीच कई मजेदार और उलझन भरे पल देखने को मिलते हैं। जहां एक तरफ सब कुछ सामान्य दिखता है, वहीं दूसरी तरफ अचानक होने वाली घटनाएं कहानी को रहस्यमयी बना देती हैं। यही अंदाज दर्शकों को शुरुआत से आखिर तक बांधे रखता है। इस सीरीज में अरशद वारसी और वीर हिरानी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

टीजर में दोनों के बीच की केमिस्ट्री काफी दिलचस्प नजर आ रही है। इसके अलावा, शो में विक्रांत मैसी भी अहम किरदार में दिखाई देंगे। उनका किरदार कहानी में रहस्य और सस्पेंस को बढ़ाता नजर आ रहा है, वहीं बोमन ईरानी और मोना सिंह भी सीरीज का हिस्सा हैं। टीजर में सभी कलाकारों की झलक भले ही कम दिखाई गई हो, लेकिन हर किरदार अपने अंदर कोई न कोई राज छिपाए हुए लगता है।

इस शो का निर्देशन मशहूर निर्देशक अविनाश अरुण ने किया है। राजकुमार हिरानी और अविनाश अरुण की यह जोड़ी दर्शकों के लिए कुछ नया कंटेंट लेकर आने वाली है। टीजर रिलीज होने के बाद सोशल मीडिया पर दर्शकों के बीच शो को लेकर चर्चा तेज हो गई है। लोग खास तौर पर अरशद वारसी और विक्रांत मैसी को एक साथ देखने को लेकर उत्साहित हैं। वहीं कई दर्शकों का मानना है कि राजकुमार हिरानी का नाम जुड़ने से इस सीरीज से उम्मीदें और बढ़ गई हैं। प्रीतम एंड पेड्रो 3 जुलाई 2026 को जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

'मैं बचपन से यह सब देख...' गोविंदा और सुनीता आहूजा के रिश्ते पर बेटी टीना ने तोड़ी चुप्पी, अटकलों पर क्या कहा?

गोविंदा और सुनीता आहूजा की बेटी टीना भी बॉलीवुड और पंजाबी फिल्मों में अभिनय करती हैं। हालिया एक इंटरव्यू में उन्होंने अपने माता-पिता के रिश्ते को लेकर चल रही अफवाहों पर चुप्पी तोड़ी है। टीना ने बहुत बड़ा सच जगजाहिर किया है।

गोविंदा की बेटी टीना आहूजा ने फ्री प्रेस जर्नल से की गई हालिया बातचीत में कहा, 'मैं बचपन से ही यह सब देख रही हूं। तरह-तरह की कहानियां बनती रही हैं। हर दशक में उनके पास एक नई कहानी होती है। पहले ये मैगजीन में छपती थीं। फिर ये इंटरनेट पर आईं और अब ये इंस्टाग्राम और यूट्यूब की दुनिया तक पहुंच गई हैं। देखिए, मैं भी एक इंसान हूं। ज़ाहिर है, जब किसी बात में कोई सच्चाई न हो और वह बात बहुत बढ़ा-चढ़ाकर और बेवजह खींची हुई लगे, तो परेशानी तो होती ही है।'

सुनीता आहूजा ने कही थी बिल्कुल अलग बात

कुछ महीने पहले सुनीता आहूजा ने एक पॉडकास्ट में अपने और गोविंदा के रिश्ते को लेकर खुलकर बात की है। इस बातचीत में उन्होंने गोविंदा पर धोखा देने का आरोप लगाया। पत्नी सुनीता के आरोपों पर गोविंदा ने खुलकर बात की है। अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को गलत बताया था।

इन दिनों गोविंदा की पत्नी कई रियलिटी शो में नजर आ रही हैं, अपने मजाकिया अंदाज से सबका दिल जीत रही हैं। साथ ही वह बॉलीवुड फिल्मों में भी जल्द नजर आएंगी। इसके अलावा गोविंदा और सुनीता का बेटा हर्ष भी फिल्मों में डेब्यू करने वाला है।

पेद्दी बॉक्स ऑफिस : वर्ल्डवाइड 400 करोड़ से कुछ कदम दूर, भारत में 220 .18 करोड़ हुआ राम चरण की फिल्म का कलेक्शन

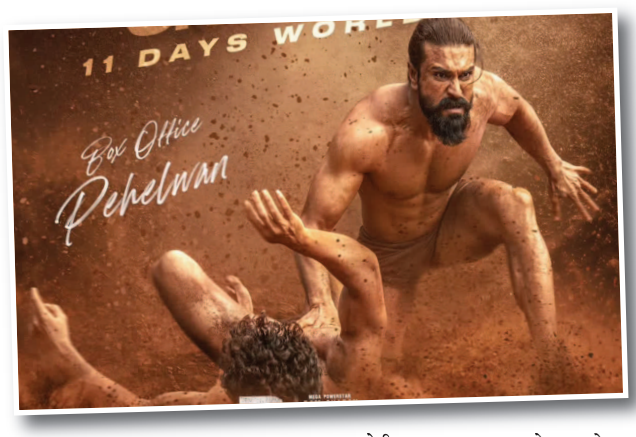

राम चरण स्टारर पेद्दी, जिसमें जाह्नवी कपूर और जगपति बाबू भी अहम भूमिकाओं में हैं, दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर लगातार तहलका मचा रही है। यह फिल्म न केवल इस साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बनकर उभरी है, बल्कि यह 2026 की साउथ इंडिया की नंबर 1 ग्रॉसर (सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म) भी बन गई है। दर्शकों की शानदार तारीफ, ब्लॉकबस्टर वर्ड-ऑफ-माउथ और खचाखच भरे सिनेमाघरों के दम पर पेद्दी अपनी रिलीज के बाद से ही लगातार असाधारण आंकड़े दर्ज कर रही है।

फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी ब्लॉकबस्टर रफ्तार को और मजबूत करते हुए एक और जबरदस्त वीकेंड देखा है। महज 11 दिनों में पेद्दी ने दुनिया भर में ?393 करोड़ से ज्यादा का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है, जो दर्शकों से मिल रहे असीम प्यार को साफ दिखाता है। अपने सनसनीखेज दूसरे हफ्ते के परफॉर्मेंस के साथ, यह फिल्म थिएटर्स में लगातार अपना दबदबा बनाए हुए है और इसके धीमे होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। इस खबर को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, ₹पेद्दी ने 11 दिनों में दुनिया भर में 393 करोड़ से ज़्यादा का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है , अपने दूसरे हफ्ते में भी दुनिया भर में सफलतापूर्वक चल रही है।

पेद्दी ने 12वें दिन 20। 09 फीसदी गिरावट के साथ भारत में 4। 10 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। फिल्म के 13वें दिन 640 शोज चल रहे हैं और फिल्म ने खबर लिखेन जाने तक 0। 08 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। फिल्म भारत में ग्रॉस कलेक्शन 261। 05 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं, इंडिया में फिल्म का नेट कलेक्शन 220। 18 करोड़ रुपये हो गाय है। इधर 13 दिनों में पेद्दी वर्ल्डवाइड 400 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है।

बुची बाबू सना द्वारा लिखित और डायरेक्टेड पेद्दि में राम चरण लीड रोल में हैं, जिनके साथ शिव राजकुमार, जाह्नवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह दमदार स्टार कास्ट फिल्म के स्केल और इसके इम्पैक्ट को एक अलग ही लेवल पर ले जाती है। वेंकट सतीश किलारु द्वारा वृद्धि सिनेमाज के तहत, मैत्री मूवी मेकर्स, सुकुमार राइटिंग्स और आइवी एंटरटेनमेंट के सहयोग से प्रड्यूस की गई इस फिल्म के को-प्रड्यूसर ईशान सक्सेना हैं।

आइवी एंटरटेनमेंट की शुरुआत 2020 में हुई थी और इसने भारत में सबसे पॉपुलर प्रोडक्शन हाउसेस और फिल्म राइट्स एक्वायर (हासिल) करने वाली कंपनियों में से एक के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की है। यह कंपनी लगातार क्रिएटिव प्रोडक्शन हाउसेस को बढ़ावा देते हुए प्रीमियम आईपी और फिल्म राइट्स की भारत की सबसे बड़ी फिल्मोग्राफी तैयार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है, ताकि दुनिया भर के दर्शकों को पसंद आने वाली बेहतरीन फिल्में पेश की जा सकें।

फिल्म में एक दमदार टेक्निकल टीम भी शामिल है, जिसमें ए। आर। रहमान का म्यूजिक, आर। रथनावेलु की सिनेमैटोग्राफी, अविनाश कोल्ला का प्रोडक्शन डिजाइन, नवीन नूली की एडिटिंग और वी। वाई। प्रवीण कुमार का एग्जीक्यूटिव प्रोडक्शन शामिल है, जो इसके सिनेमाई स्तर और दर्शकों की उत्सुकता को और ज्यादा मजबूत बनाता है।

धुरंधर, धुरंधर द रिवेंज और राजा शिवाजी की शानदार सफलता के बाद जियो स्टूडियोज द्वारा पेद्दि को उत्तर भारत में रिलीज किया गया। यह फिल्म 4 जून 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com